भीम प्रज्ञा अलर्ट

‘जिस मन में कृतज्ञता बस जाती है, वहां शिकायतें अपने आप बाहर का रास्ता ढूंढ लेती हैं। ‘

PRGI No. RJHIN/25/A3845 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

दैनिक भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-3 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 22 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

राजस्थान में 3400 से ज्यादा नई ग्राम पंचायतें बनीं: सरपंचों-उपसरपंचों और वार्ड पंचों के पद बढ़े

घर के पास ही होगा पंचायत मुख्यालय

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश में 3416 नई ग्राम पंचायत बनाई गई हैं। सबसे ज्यादा 270 नई पंचायत बाड़मेर और सबसे कम 19 पंचायत झालावाड़ में बनीं हैं। राज्य सरकार ने राजस्थान के सभी 41 जिलों में पंचायत पुनर्गठन और नई पंचायतें बनाने की शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। अब पंचायतीराज का नक्शा बदल गया है। जितनी नई पंचायत बनी है। उससे दोगुनी पंचायतों का पुनर्गठन किया है। लगभग हर पंचायत की सीमाओं में बदलाव हुआ है। इसका स्थानीय राजनीति पर भी असर होगा। प्रदेश में नई पंचायतें बनाने के बाद अब सरपंचों, उपसरपंचों और वार्ड पंचों के बड़ी संख्या में पद बढ़ जाएंगे। जितनी नई पंचायतें बनेंगी, उतने ही सरपंच और उपसरपंच ज्यादा बनेंगे। वार्ड पंचों के पद भी हजारों में बढ़ेंगे। अब नए चुनाव इन्हीं पंचायतों के हिसाब से होंगे।

रोजगार के नए अवसर बनेंगे

नई पंचायतें बनने से ग्राम सचिव, पटवारी, पंचायत सहायकों के पद बढ़ेंगे। जितनी नई पंचायतें बनी हैं, उतने ही ग्राम सचिव, ग्राम सहायक और सहायक कर्मचारी लगेंगे।

इससे शिक्षित बेरोजगारों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आगे निकलने वाली भर्तियों में भी इन पंचायतों के हिसाब से नियुक्तियां करने के लिए पद बढ़ाए जाएंगे।

मापदंडों में छूट की वजह से ज्यादा पंचायतें बनीं

रेगिस्तानी जिलों में मापदंडों में छूट की वजह से नई पंचायत ज्यादा बनी हैं। मौजूदा सरकार ने साल भर पहले से पंचायतों के पुनर्गठन का काम शुरू किया था। नई पंचायत बनाने और पंचायतों के पुनर्गठन के लिए जिलों से प्रस्ताव मंगवाकर पंचायतीराज और ग्रामीण विकास विभाग को भेजे गए थे। राजनीतिक तौर पर भी बीजेपी ने इसके लिए कमेटी बनाई थी।

पंचायत मुख्यालय जाने के लिए कम दूरी तय करनी होगी

नई पंचायतें बनने से जनता को सुविधा होगी। बाड़मेर, जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, चूरू सहित रेगिस्तानी जिलों और आदिवासी इलाकों में ग्राम पंचायत के इलाके कई किलोमीटर में थे। लोगों को पंचायत मुख्यालय जाने के लिए कई किलोमीटर की दूरी तय करनी होती थी। लोगों को राशन लेने, सरकारी दस्तावेज बनवाने और सरपंच, ग्राम सचिव से जुड़े काम करवाने के लिए पंचायत मुख्यालय आना होता है। एक पंचायत में तीन से चार गांव होने के कारण मुख्यालय आने के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करना होता था। इसमें समय ज्यादा लगता था। अब नई पंचायतें बनाने के कारण इलाका कम होने से लोगों को सुविधा होगी।

जयपुर में 139 नई ग्राम पंचायतें बनाई गईं

जयपुर जिले में ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन करने के बाद कुल 596 ग्राम पंचायतें हो गईं। यानी जयपुर जिले में चुनाव होंगे तो यहां 596 सरपंच बनेंगे। पुनर्गठन से पहले जयपुर जिले में कुल 457 ग्राम पंचायतें थीं। इनमें से 273 ग्राम पंचायतों की सीमाओं में बदलाव करके 139 नई ग्राम पंचायतों का गठन किया।

जिला बाल पीड़ित प्रतिकर सहायता समिति की बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ सीकर ।

सीकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को जिला बाल पीड़ित प्रतिकर सहायता समिति की इस माह की प्रथम बैठक प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में नवनिर्मित 'मदद पोर्टल' के संचालन और उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शालिनी गोयल ने की। उन्होंने कहा कि बाल पीड़ितों को न्याय एवं प्रतिकर प्रदान करने में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शालिनी गोयल ने कहा – ‘बाल पीड़ित प्रतिकर केवल एक वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि बच्चे के जीवन में विश्वास और सुरक्षा की पुनर्स्थापना का प्रयास है। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र बच्चे को शीघ्र और पारदर्शी तरीके से लाभ मिले, और जिले में जीरो पेंडेंसी सुनिश्चित हो। ‘

बैठक में मदद पोर्टल के माध्यम से प्रतिकर योग्य मामलों की आवेदन की पूर्ति तथा फॉलोअप की एकरूप व्यवस्था पर जोर दिया गया। साथ ही संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने और प्रत्येक लंबित प्रकरण को नियत समयसीमा में निपटाने पर सहमति बनी।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (एडीएम–शहर) भावना शर्मा, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अंकुर बहड़, बाल कल्याण समिति के सदस्य बिहारी लाल बालान, एवं आरपीएस अजीत पाल (एससी–एसटी सेल) उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने जिले में बाल प्रतिकर के मामलों को प्राथमिकता से निपटाने और पीड़ित बच्चों व उनके परिजनों तक न्याय एवं सहायता पहुँचाने के लिए सहयोगात्मक कार्यशैली को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

दिशा की बैठक आयोजित: सांसद ओला ने दिए आवश्यक निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला विकास में समन्वय एवं निगरानी समिति यानी दिशा की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में झुंझुनू लोकसभा क्षेत्र सांसद बिजेंद्र ओला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने जिले की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में विभिन्न अधिकारियों ने जिले में हुई प्रगति का खाका पेश किया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना , पेयजल सप्लाई , फसली बीमा, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के प्रयास, डीएमएफटी फंड समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला, उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी, झुंझुनूं प्रधान पुष्पा चाहर, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा, चिड़ावा प्रधान इंदिरा डूडी, सिंघाना प्रधान सरला सैनी, उदयपुरवाटी नगरपालिका अध्यक्ष रामनिवास सैनी, अलसीसर प्रधान घासीराम पूनिया, सूरजगढ़ प्रधान बलवान पूनिया, बुहाना प्रधान हरिकिशन यादव, जिला परिषद सीईओ कैलाश यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाल वाहिनियों का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले में संचालित बाल-वाहिनियों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। प्राधिकरण सचिव डॉ. महेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि माननीय रालसा के निर्देशों की पालना में जिला परिवहन अधिकारी मोनू सिंह मीणा के साथजिला मुख्यालय पर निजी विद्यालयों द्वारा संचालित बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण कर जांच की गई। उन्होंने बताया कि बाल वाहिनियों में क्षमता से अधिक बच्चों को ले जाना न केवल कानूनी रूप से गलत है, बल्कि बच्चों की जान के लिए भी गंभीर खतरा है। डॉ. सोलंकी ने बताया कि बाल वाहिनियों की आकस्मिक जांच में निर्धारित बिन्दुओं वाहन का रंग, वाहन का स्कुल ड्यूटी लिखा होना, वाहन पर वाहन चालक एवं विधालय का विवरण, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, जीपीएस सिस्टम, आपातकालीन निकास, विशेष बच्चों के लिये सुविधा, वाहन चालक एवं सहायक के वैध लाईसेंस व पहचान दस्तावेज, वाहन चालक का भारी वाहन चलाने का अनुभव, पूर्व में गंभीर चालान अथवा दुर्घटना रिकॉर्ड पर ड्राईवर को अयोग्य माना जाना, निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बाल वाहिनियों में बिठाना, बाल वाहिनियों की गति निर्धारित सीमा में हो, वाहन चालक व सहायक समय - समय पर मेडिकल परीक्षण, बाल वाहिनी में चढ़ने उतरने का सुरक्षित स्थान, बाल वाहिनियों की समग्र फिटनेश आदि के सम्बन्ध में जांच की गई। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि जांच के दौरान जानकारी भी दी गई कि निर्धारित मानक अनुसार बाल वाहिनयों का संचालन नहीं किया जाना एवं क्षमता से अधिक बच्चों को वाहन में बैठाना दुर्घटना की स्थिति में जनहानि का कारण बन सकता है। प्राधिकरण सचिव ने वाहन चालकों, विधालयों प्रबन्धकों एवं अभिभावकों से अपील की कि प्रत्येक बच्चा उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण है इसलिए उसकी जान जोखिम में न डाले। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना हम सबका सामूहिक दायित्व होना चाहिए। यदि किसी को बाल वाहिनियों में ओवलोडिंग अथवा सुरक्षा नियमों में किसी प्रकारकी कमी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त होती है तो इस सम्बन्ध में सूचना तत्काल सम्बन्धित विभाग अथवा प्राधिकरण को देकर आवश्यक कार्यवाही करवाई जा सकती है। न्यायाधीश ने बताया कि यह अभियान का पहला दिवस है। इस दौरान बाल वाहिनियों में पाई गई कमियों के बाबत परिवहन विभाग द्वारा चालान भी बनाए गए तथा वाहन चालकों/स्कूल संचालकों को पाई गई कमियों को 10 दिवस में दुरूस्त करवाने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 2 बाल वाहिनियों का चालान भी किया गया। इस दौरान परिवहन निरीक्षक रोहिताश आदि उपस्थित रहे।

टोहाना के मॉडल के. एम. विद्यालय के शिविर में ट्रैफिक इंचार्ज ने छात्रों को दी यातायात सुरक्षा व नशा मुक्ति की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । मॉडल के. एम. विद्यालय टोहाना में एक दिवसीय एनएसएस शिविर में वीरवार को सूर्य नमस्कार व योगासन मेडिटशन और व्यायाम के साथ शुरूआत कराई गई। धर्मचंद सब इंस्पेक्टर ट्रैफिक इंचार्ज ने बच्चों को यातायात सुरक्षा नशे से दूर रहने और सोशल मीडिया के अनावश्यक प्रयोग जैसी कुरीतियों से दूर रहने का संदेश दिया। प्रिंसीपल रणधीर पूनिया ने नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, जल व पर्यायवरण को बचाने से संबंधित महत्वपूर्ण एवं आवश्यक विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया। पूनिया ने कहा भविष्य में बच्चे देश और समाज के विकास में सहयोग करें क्योंकि युवा की जैसी सोच होगी वैसे ही हमारा देश आगे बढ़ सकेगा। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए0एन0 बहुगुणा, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, तरसेम सिंह, अमन पूनिया, धर्मवीर सिंह, पुष्पा देवी, नीति मेहता, सीमा सिगँला, विजय, मनजीत, अनिल, अशोक, रमन, सिमरन, जयभगवान, सुखदीप कौर, सुनीता, ज्योती, मोहित शर्मा, सुनील, जगबीर, रामपाल व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहे।

एनसीसी स्थापना दिवस सम्मान पूर्वक मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय केडेट कोर का स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया गया। इस अवसर पर कैडेट्स को पिरामिड बनाना, एनसीसी परेड का प्रशिक्षण दिया गया। एनसीसी प्रभारी निर्मला ढाका ने छात्राओं को ग्राउंड पर प्रैक्टिस कराई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने एनसीसी कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें एनसीसी स्थापना दिवस समारोह आयोजित करने की शुभकामनाएं दी। इसका महत्व बताते हुए उन्होंने छात्राओं को सैन्य प्रशिक्षण, शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत और कार्यशील होने, समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण तथा टीम वर्क के लिए तैयार रहने, नेतृत्व क्षमता का विकास करने और अनुशासन एवं चरित्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। एडवेंचर कैंपों के माध्यम से साहसिक गतिविधियों का प्रशिक्षण लेने के लिए तैयार रहने की प्रतिज्ञा दिलवाई। एनसीसी प्रभारी निर्मला ढाका के माध्यम से एनसीसी के उद्देश्य, कार्य प्रणाली और इस सर्टिफिकेट कोर्स से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने देशभक्ति गीत गया। संचालन अंजेश ढाका ने किया गया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

बीकानेर: मुक्ता प्रसाद में पप्पू राम लेखाला के नवीन गृह का उद्घाटन; पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल रहे मौजूद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर की मुक्ता प्रसाद कॉलोनी में शुक्रवार को पप्पू राम लेखाला के नव-निर्मित आवास का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। दूध डेयरी का कारोबार करने वाले और मेघवाल समाज से आने वाले पप्पू राम लेखाला के इस कार्यक्रम में मेघवाल समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई, जो समाज में उनके और उनके परिवार के प्रभाव को दर्शाती है।गृहस्वामी पप्पू राम लेखाला ने मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल को साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। पप्पू राम के पिता, श्री आदू राम मेघवाल, ने कार्यक्रम में पधारे सभी गणमान्य अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया। इस उद्घाटन समारोह में समाज और क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे, जिनमें पूर्व तहसीलदार कालूराम मेघवाल, रूपाराम मेघवाल, नवरत्न मेघवाल, मदन मेघवाल, गणेश बराला, तथा ग्राम पंचायत बराला के सरपंच प्रतिनिधि गिरधारी शामिल थे। इनके अतिरिक्त, शिवदयाल मेघवाल और शिवदान मेघवाल सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और गृहस्वामी को बधाई दी। नए घर के उद्घाटन के साथ ही, पप्पू राम लेखाला के निवास पर बाबा रामदेव जी का जागरण का भी आयोजन किया गया है। इस धार्मिक कार्यक्रम में आसपास के गांवों और समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा रामदेव जी की स्तुति में हिस्सा लिया। इस अवसर पर आए सभी मुख्य अतिथियों को भी साफा पहनाकर सम्मानित किया गया, जो राजस्थानी परंपरा और सम्मान का प्रतीक है।

मुंडावर ब्लॉक का गौरव: आदर्श पीएचसी जाटबहरोड़ को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता पुरस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । मुंडावर ब्लॉक के जाट-बहरोड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत आदर्श पीएचसी जाटबहरोड़ को नेशनल क्वालिटी सर्टिफिकेट के लिए चयनित किया गया है। मुंडावर ब्लॉक में यह सम्मान पाने वाली यह पहली पीएचसी बनी है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यह राष्ट्रीय प्रमाणपत्र मरीजों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, क्वालिटी मैनेजमेंट, साफ-सफाई, व्यवहार, सुरक्षा मानकों और रिकॉर्ड प्रबंधन जैसे मापदंडों पर सर्वोच्च प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। पीएचसी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपेश पाराशर ने बताया कि पीएचसी को स्टेट लेवल से नॉमिनेशन मिलने के बाद भारत सरकार की टीम 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को जाटबहरोड़ पहुंची। टीम ने यहां- सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों से व्यवहार, साफ-सफाई, जैविक कचरा प्रबंधन, रिकॉर्ड संधारण, सुरक्षा उपाय, संगठनात्मक व्यवस्था सहित कुल 8 मानकों पर गहन मूल्यांकन किया। सभी विभागों- कुल 6 डिपार्टमेंट-में उत्कृष्ट प्रदर्शन पाए जाने पर पीएचसी को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि में चिकित्सा टीम की संयुक्त मेहनत शामिल है। पीएचसी में सेवाएँ देने वाले प्रमुख सदस्य- डॉ. दीपेश पाराशर, SNO महेश सोनी, NO रजनी, मोनिका, हितेश यादव, फार्मासिस्ट अजय, LT हरिराम, ANM यशवंता, कल्पना, PHS सुमित्रा, रमेशचंद (DEO) विकास एवं गोविंद (CHO) रहें।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ हुशियार सिंह का दौरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन), डॉ हुशियार सिंह द्वारा झुंझुनू जिले का भ्रमण कर सहायक निदेशक कार्यालय नवलगढ़,संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार, सहायक निदेशक कृषि विस्तार , उपनिदेशक उद्यान व आत्मा झुंझुनू के कार्यालयों का निरीक्षण किया गया व अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। दौरे के दौरान नवलगढ़ व झुंझुनूं पंचायत समिति में क्षेत्र का भ्रमण कर क्षेत्र में कृषकों द्वारा अपनाई जा रही राज्य सरकार की विभिन्न अनुदानित योजनाओं यथा कस्टम हियरिंग सेंटर, प्राकृतिक खेती मिशन ,जोजोबा,नवीन फल बगीचा स्थापना,ग्रीन हाउस, फॉर्म पौंड ,सौर ऊर्जा ,नर्सरी व जैविक गोवर्धन योजना अंतर्गत वर्मी कंपोस्ट यूनिट का अवलोकन किया गया तथा कृषकों को इन योजनाओं की तकनीकी जानकारी के बारे में अवगत करवाया । क्षेत्र भ्रमण के दौरान संयुक्त निदेशक कृषि डॉ राजेंद्र लाम्बा ,उपनिदेशक उद्यान डॉ विजयपाल कसवा, सहायक निदेशक कृषि श्रीमती सविता ,नरेंद्र कुमार व प्रवीण कुमार कृषि अधिकारी तथा संबंधित क्षेत्र के सहायक कृषि अधिकारी ,वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक तथा कृषि पर्यवेक्षक साथ रहे।?

जरूरतमंद विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

निकटवर्ती ग्राम माजीसाहब की ढ़ाणी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 35 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दी से बचाने के लिए दिल से फाउण्डेशन मुम्बई की तरफ से विद्यार्थियों को ऊनी स्वेटर, जुराब, टोपी वितरित किए गए। आचार्य रवि कुमार पारीक ने बताया कि पाठ्यसामग्री, पेन-पेन्सिल, रबड, कटर भी 35 विद्यार्थियों को बांटे गए। दिल से फाउण्डेशन के सुरेश बिजारणिया का कहना कि पिछले 4 साल से जरूरतमंद विद्यालयों को पाठ्य-सामग्री वितरित की जा रहीं है। फाउण्डेशन के राहुल इंदौरा, चन्द्रप्रकाश टेलर, सुरेश बिजारणिया को विद्यालय की तरफ से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रधान हरफूल सिंह शेषमा, आचार्य रविकुमार पारीक, झाबर मल, शीशराम कालीरावणा, किरण कुमावत, सरोज कंवर शेखावत उपस्थित रहें।

बिहार विधानसभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

प्रहलाद सबनानी

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई।

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यतः राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मु त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था। उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मु त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मु त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही। हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का 'बचत का बजट' - 'घाटे के बजट' में परिवर्तित हो गया था।

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मु त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा एवं राज्य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतः डावांडोल हो गई है एवं राज्य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं राज्य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार राज्य में भी विधान सभा चुनाव के समय श्री नीतीश कुमार की राज्य सरकार ने राज्य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना की घोषणा 29 अगस्त 2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, राज्य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है?

इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मु त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाडु में तो मु त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मु त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मु त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं।

अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है।

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मु. त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है। यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जीवन यात्रा के दो दीपक : माता-पिता और किताबें

जीवन एक अथाह सागर है–अस्थिर, गहन और लगातार बदलता हुआ। इसकी लहरें कभी मधुर संगीत बनकर सहलाती हैं, तो कभी प्रचंड तूफान बनकर हमारे अस्तित्व को हिला देती हैं। इस अनिश्चित यात्रा में मनुष्य को दो सहारे ऐसे मिलते हैं, जो दीपक की तरह मार्ग आलोकित करते हैं–माता-पिता का निस्वार्थ मार्गदर्शन और किताबों का कालजयी ज्ञान। दोनों का स्वरूप भिन्न है, पर उद्देश्य एक–मनुष्य को सही दिशा में ले जाना, उसकी संभावनाओं को जगाना और उसे एक सुदृढ़ मनुष्य के रूप में गढ़ना। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

माता-पिता वह पहला विश्वविद्यालय हैं, जहाँ हम जीवन के आदर्श और नैतिकता का पाठ पढ़ते हैं। शिशु का संसार जब पहली बार खुली आँखों से इस दुनिया को देखता है, तब माता-पिता के आलिंगन में उसे सुरक्षा का पहला अर्थ मिलता है। उनकी उँगली पकड़कर बच्चा चलना सीखता है, पर वास्तव में इसी उँगली से वह जीवन के जटिल पथ पर संतुलन बनाना सीखता है। माँ की ममता और पिता की सहनशीलता से निर्मित यह मार्गदर्शन किसी पुस्तकालय में नहीं मिलता। यह अनुभव की पवित्र अग्नि में तपकर हासिल होता है। उनके शब्दों में जिस गहराई और सच्चाई का स्पर्श होता है, वह इसलिए है क्योंकि उन्होंने जीवन की कठोरताओं को अपने हृदय से महसूस किया होता है। समय के साथ बच्चे बड़े होते जाते हैं, जिम्मेदारियाँ बदलती जाती हैं, और जीवन के निर्णय अधिक गंभीर होते जाते हैं। किन्तु माता-पिता की भूमिका कभी कम नहीं होती। करियर का चयन, जीवन मूल्यों का निर्धारण, मित्रों का चयन, समाज में आचरण–हर क्षेत्र में माता-पिता का अनुभव अदृश्य शक्ति की तरह हमें थामे रहता है। आधुनिकता की चमक भले ही उनके अनुभव को पुराना घोषित करने का साहस रखती हो, पर सच्चाई यह है कि जीवन के मोड़ों पर वही अनुभव हजारों चौराहों पर सही दिशा दिखाने की क्षमता रखता है। माता-पिता का मार्गदर्शन केवल सलाह नहीं है, वह पीढ़ियों की धरोहर है। और दूसरी ओर–किताबें। ये केवल कागज़ और अक्षर नहीं, बल्कि युगों-युगों का संचित ज्ञान, अनुभव और चिंतन हैं। किताबें वह सेतु हैं, जो हमें उन महान आत्माओं से जोड़ती हैं, जिनसे हम कभी रूबरू नहीं हो सकते। एक अच्छी पुस्तक मनुष्य को न केवल जानकारी देती है, बल्कि दृष्टि देती है; केवल विचार देती है, बल्कि विवेक भी प्रदान करती है। जब मनुष्य अकेला होता है, तो किताबें उसका साथ निभाती हैं। जब वह भ्रमित होता है, तो किताबें उसे दिशा दिखाती हैं। और जब वह टूट जाता है, तो किताबें उसके भीतर आशा का दीप जलाती हैं। संसार में शायद ही कोई ऐसा मित्र हो जो इतना धैर्यवान, इतना स्थिर और इतना विश्वसनीय हो, जितना एक अच्छी पुस्तक होती है। माता-पिता और किताबों का सम्मिलित प्रभाव किसी भी व्यक्ति के निर्माण की रीढ़ है। माता-पिता मूल्य देते हैं, किताबें ज्ञान देती हैं; माता-पिता जीवन का चरित्र गढ़ते हैं, किताबें उसके विचारों की उड़ान निर्धारित करती हैं। जीवन में सफलता प्राप्त करने वाला व्यक्ति अक्सर स्वीकार कर चुका होता है कि उसकी बुनियाद इन दो स्तंभों पर ही खड़ी है। यह वही आधार है, जिसकी मजबूती व्यक्ति को तूफानों में भी खड़ा रखती है।

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैशिक अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा-भारतीय रुपये-को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक वातावरण, डॉलर-निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैशिक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरूआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है।

रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है, क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैशिक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूस यूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर-केंद्रित व्यवस्था धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है।

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये-आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत रूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा-आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतार चढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है।

हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदान प्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं।

इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता-ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

नाकाम करना होगा आतंक का खतरनाक षडयंत्र

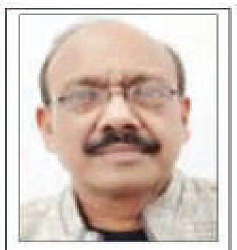
मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में दहशतगर्द लगातार पंख फैलाने की फिराक में है। दिल्ली का कार ब्लास्ट आतंकी हमला घोषित हो चुका है। इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकी संगठन की संलिप्तता भी उजागर हो गई है। ऐसे में केंद्र सरकार के उस बयान की खूब चर्चा हो रही, जिसमें कहा गया था कि भारत के खिलाफ कोई भी आतंकी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा। भारत फिर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा। लोगों में यह भी चर्चा है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू करेगा तो पाकिस्तान के साथ कौन देश खड़े होंगे।

आपको पता रहे मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ चीन और तुर्की ने दिया था। चीन लंबे समय से भारत विरोधी हरकते कर रहा। वहीं, भारत द्वारा हमेशा मदद किए जाने के बावजूद तुर्की विरोध में खड़ा हो रहा।करीब दो साल से लगातार अलग-अलग तरह के धमकी भरे हजार से अधिक ईमेल मिल चुके हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां हर बार तकनीकी जांच के बाद फर्जी घोषित कर देती हैं। स्कूल, कॉलेज, सचिवालय, अदालत ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जिसे बम से उड़ाने की धमकी न मिली हो। अधिकांश मामलों में ये ईमेल वीपीएन व डार्क वेब के जरिए भेजे जाते हैं, जिससे लोकेशन विदेश की दिखती है, लेकिन वास्तविक स्रोत तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है।

आतंकी संगठनों की हरकतें बता रहीं हैं कि दिल्ली धमाका तो सिर्फ ट्रेलर था। पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भारत के खिलाफ फिदायीन अटैक को लेकर ब्लू प्रिंट कर चुका है।

हर बार जांच में कुछ ठोस नहीं मिल पाता, लेकिन अब जब देशभर में आतंकी नेटवर्क की गतिविधियां सामने आ रही हैं और कई हमलों की साजिशें उजागर हुई हैं, तो इन पुराने मामलों का संदर्भ बेहद अहम हो गया है। जिस तरह बार-बार ये धमकी ईमेल अलग-अलग स्थानों को टारगेट करते हुए भेजे जा रहे थे, यह संभव है कि वे सिर्फ फर्जी नहीं थे, बल्कि किसी बड़ी आतंकी साजिश का संकेत दे रहे थे।

आतंकी हमले के बाद अब मंगलवार सुबह चार प्रमुख जिला अदालतों साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी कोर्ट के साथ-साथ दो सीआरपीएफ स्कूलों को जैश-ए-मोहम्मद के नाम से बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। आनन-फानन में इमारतें खाली कराई गईं और सूचना पर पहुंचा बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), स्निफर डॉग और फॉरेंसिक टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया।

काफी तलाश के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो इसे हक्स मेल करार दिया गया। वहीं पटियाला हाउस कोर्ट में धमकी भरा मेल ऐसे वक्त आया, जब थोड़ी देर बाद बम धमाके के आरोपित व साजिशकर्ता जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश की पेशी होने वाली थी। एनआइए की टीम आरोपित को पेश करने जा रही थी, उससे पहले कोर्ट के बाहर आरएएफ तैनात कर दी गई थी।

लाल किला ब्लास्ट की जांच में एजेंसियों को पता चला है कि फिदायीन तयअटैक का ब्लू प्रिंट पाकिस्तान में इसी साल तैयार हुआ था। जैश की मंशा है कि बेशक यह पहला सुसाइड बॉम्बर है, लेकिन आखिरी नहीं। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों की मानें तो जैश ए मोहम्मद ने टेरर फंडिंग और जिहाद के लिए डिजिटल कोर्स लॉन्च किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत के खिलाफ फिदायीन दस्ता तैयार करने को जैश-ए-मोहम्मद बड़े पैमाने पर हवाला के जरिए फंड जुटा रहा है।

एजेंसियों को इस संबंध में बेहद चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी है। लाल किला ब्लास्ट से 15 दिन पहले अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने तुहफत उल मोमिनात नाम से एक ऑनलाइन कोर्स शुरू किया था। यह कोर्स खास तौर से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस ऑनलाइन कोर्स का मकसद मजहबी और जिहादी ट्रेनिंग देने के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों के लिए पैसे जुटाना है।

जैश ए मोहम्मद के टॉप कमांडरों की महिला रिश्तेदारों पर इस ऑनलाइन कोर्स का जिम्मा है। जिनमें मसूद अजहर की बहनें सादिया अजहर, समीरा अजहर और शिया अजहर है। इस कोर्स का प्रचार पहले से ही जैश के इंटरनल टेलीग्राम और वाट्सऐप ग्रुप के साथ-साथ दूसरे क रपंथी प्लेटफॉर्म पर गुपचुप किया जा चुका है। सूत्रों का कहना है कि इस कोर्स में एडमिशन के लिए महिलाओं से 700 पाकिस्तानी करेंसी ली जा रही है। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि तुहफत-उल-मोमिन वाट्सऐप, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मदरसों के रूप में काम कर रहे हैं।लाल किला के पास हुए फिदायीन हमले की जांच में एजेंसियों ने मंगलवार को एक संदिग्ध बांग्लादेशी एबीटी सदस्य इख्तियार को पकड़ा है। सूत्रों ने बताया कि जांच का फोकस भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों मालदा, मुर्शिदाबाद पर है। जिसके बारे में इनपुट मिला था कि लश्कर ए तैयबा के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कुछ क रपंथी ग्रुप संपर्क में हैं। पकड़े गए कथित बांग्लादेशी एबीटी मेंबर से पूछताछ चल रही है। जांच ऐजेंसी लाल किले के पास हुए आतंकी हमले में बांग्लादेश कनेक्शन की पुष्टि करने में जुटी हैं।पकड़े गए संदिग्ध का प्रतिबंधित संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े होने का शक है। जांच ऐजेंसी से जुड़े सूत्र का कहना है कि संदिग्ध इख्तियार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जिसने विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की है। एजेंसियों का मानना है कि इस संदिग्ध का साजिश में बॉर्डर पार से लिंक है। पांच दिन पहले जांच एजेंसियों को पता चला था कि बांग्लादेश के क रपंथी संगठनों और लश्कर ए तैयबा के बीच ऑनलाइन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग हुई थी। इसमें एलईटी का टॉप कमांडर सैफुल्लाह सैफ और बांग्लादेशी सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

आपको बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुर्की ने किस तरह से भारत से दुश्मनी निभाई, यह दुनिया देख चुकी है। अब दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाकों का भी कनेक्शन भारत के लिए दूसरे पाकिस्तान के तौर पर उभरते इसी मुल्क से जुड़ रहा है। दरअसल, इस वारदात के मुख्य संदिग्ध डॉ मोहम्मद उमर उर्फ उमर उन नबी और फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़े एक और संदिग्ध डॉ मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट से उनके तुर्की की यात्रा का संकेत मिल रहे हैं और यह भी पता चल रहा है कि उन्हें वहीं से भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने का फरमान मिल रहा था।जाहिर है भारत को मजहब के आधार पर मिल रही विदेशी साजिश को भी नेस्तनाबूद करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मतदाता पुनरीक्षण अभियान-2026: नोखा में कांग्रेस का बीएलए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, घर-घर जाकर मदद करने का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा/बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नोखा (शहर एवं देहात) की ओर से आज कांग्रेस पार्टी के विधानसभा क्षेत्र नोखा के समस्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के अन्तर्गत मतदाताओं को जोड़ने और सूची को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से आए प्रभारी रामदेव पूनिया ने मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी बीएलए को सरकारी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की बढ़-चढ़कर सहयोग करने और बूथ स्तर पर कार्य को सुचारू बनाने का निर्देश दिया। देहात कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे पार्टी के बीएलए और संबंधित बूथ के कार्यकर्ता घर-घर जाकर नए मतदाताओं को

जोड़ें तथा मतदाताओं को नाम जुड़वाने में आने वाली तकनीकी समस्या में उनकी मदद करें। सियाग ने चेताया कि यदि निर्वाचन आयोग की ओर से बीएलओ द्वारा दिए गए फॉर्म भरकर जमा नहीं करवाए गए तो संबंधित मतदाता का वोट कट सकता है। उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की यह नैतिक जिम्मेदारी बताई कि वे अपने बूथ पर वोटों की निगरानी करें और भरे हुए फॉर्म शीघ्र जमा कराने में सहयोग करें।

बीएलए की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल ने बूथ लेवल एजेंट की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बीएलए को मतदाता सूची का गहन निरीक्षण कर उसे त्रुटिरहित एवं पारदर्शी बनाने में सहयोग करना चाहिए। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) मोहनराम लीलड़ ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन कर रहे भंवरलाल सारण ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष क्रय विक्रय समिति नोखा, जेठाराम जी गोदारा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मूलाराम जी मेघवाल, मंडल अध्यक्ष भंवरलाल सारण, गौरीशंकर नाई, राकेश कुमार जैन, सत्यनारायण गोरछिया, पेमाराम सारण, श्रीराम डेलू, देसलसर सरपंच रामनिवास जी, पूर्व सरपंच सलुंडिया जयपाल जी, पूर्व सरपंच भामटसर रामनारायण जी, नाथूसर पूर्व सरपंच घेवरराम जी सियाग, जन अभाव अभियोग प्रकोष्ठ देहात अध्यक्ष अर्जुनराम मेघवाल, शहर अध्यक्ष तरुण पंडित, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष रामचंद्र नाई, महिला ब्लॉक अध्यक्ष संतोष गोदारा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फतेहाबाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई; घातक एक्सीडेंट करने वाला थार चालक काबू, वाहन भी बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद सिद्धान्त जैन, आईपीएस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करने हेतु दिए गए दिशा-निर्देशों के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक गंभीर सड़क हादसे के मामले में थार चालक को गिरफ्तार कर वाहन सहित बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहित पुत्र रमेश निवासी भोपाली, जिला चरखी दादरी के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र ने बताया कि दिनांक 09.11.2025 को शिकायतकर्ता लोकेश पुत्र दिव्य चैतन्य, निवासी मंडी आदमपुर जिला हिसार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका भतीजा कर्ण कुमार अपने दोस्तों अनमोल पुत्र रोशनलाल निवासी

शक्ति नगर फतेहाबाद और संयम पुत्र सुरेन्द्र कुमार निवासी सुन्दर नगर फतेहाबाद के साथ मोटरसाइकिल नंबर HR-22P-2758 (प्लेटिना, काला रंग) पर योग नगर फतेहाबाद से बीघड़ मोड़ की ओर जा रहा था। मोटरसाइकिल अनमोल चला रहा था, पीछे संयम और सबसे पीछे कर्ण कुमार बैठा था।जैसे ही वे लोग योग नगर कट से मिनी बाईपास रोड पर चढ़े, तभी हिसार की ओर से आ रही थार गाड़ी नंबर ॥₹-20BB-9512 के चालक ने गाड़ी को गफलत, लापरवाही व तेज रफ़्तार में चलाते हुए मोटरसाइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े, जिसमें सभी को गंभीर चोटें आईं और कर्ण कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई। राहगीरों की सहायता से तीनों को नागरिक अस्पताल फतेहाबाद पहुंचाया गया। शिकायत पर थाना शहर फतेहाबाद में मामला संख्या 421/2025 दर्ज किया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी चालक मोहित को गिरफ्तार करते हुए थार वाहन भी बरामद कर लिया। आरोपी को पूछताछ उपरांत पुलिस जमानत पर रिहा कर दिया गया है।मामले की जांच जारी है।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

निकटवर्ती ग्राम माजीसाहब की ढ़ाणी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 35 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दी से बचाने के लिए दिल से फाउण्डेशन मुम्बई की तरफ से विद्यार्थियों को ऊनी स्वेटर, जुराब, टोपी वितरित किए गए। आचार्य रवि कुमार पारीक ने बताया कि पाठ्यसामग्री, पेन-पेन्सिल, रबड, कटर भी 35 विद्यार्थियों को बांटे गए। दिल से फाउण्डेशन के सुरेश बिजारणिया का कहना कि पिछले 4 साल से जरूरतमंद विद्यालयों को पाठ्य-सामग्री वितरित की जा रहीं है । फाउण्डेशन के राहुल इंदौरा, चन्द्रप्रकाश टेलर, सुरेश बिजारणिया को विद्यालय की तरफ से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रधान हरफूल सिंह शेषमा, आचार्य रविकुमार पारीक, झाबर मल, शीशराम कालीरावणा, किरण कुमावत, सरोज कंवर शेखावत उपस्थित रहे।

पचलंगी के झडाया नगर को नवसृजीत ग्राम पंचायत बनाने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर

मिठाई बांटकर जताया खुशी का इजहार

नवसृजीत ग्राम पंचायत बनाए जाने से विकास के होंगे नए आयाम कायम-मदनलाल भावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के पचलंगी के झडाया नगर को नवसृजीत ग्राम पंचायत बनाए जाने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है द्य झडाया नगर एवं तेजाजी नगर को नवसर्चित ग्राम पंचायत बनाए जाने

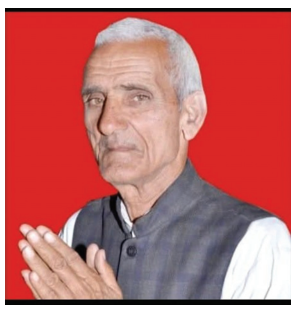

पर ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया है राष्ट्रीय सामाजिक जन चेतना मंच के अध्यक्ष एवं पचलंगी के समाजसेवी मदनलाल भावरिया ने हमारे उदयपुरवाटी संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया कि पचलंगी के झडाया नगर एवं तेजाजी नगर को नवसर्चित ग्राम पंचायत बनाए जाने से अब विकास के नए आयाम स्थापित होंगे द्य लोगों के समय पर काम होंगे एवं विकास के कामों में चार चांद भी लगेंगे द्य झडाया नगर को नवसर्चित ग्राम पंचायत बनाए जाने पर समाजसेवी मदनलाल भावरिया ने पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी का आभार व्यक्त किया हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के विद्यार्थी ने लहराया सफलता परचम, समिति ने किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राज मार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के विधार्थी राहुल सैनी का रेलवे विभाग में चयन होने पर गुरुवार को अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आर्मी में चयनित युवराज सैनी का भी महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति की ओर से स्वागत किया गया। छात्रावास में गुरुवार को आयोजित संक्षिप्त व गरिमामय समारोह में नवचयनित राहुल छात्रावास का शुरुआती पहला विधार्थियों था जिसने यह उपलब्धि हासिल करते हुए रेलवे में चयनित होने का गौरव हासिल किया। इस अवसर पर स्वयं अपने स्तर पर सफलता हासिल करने वाले आर्मी में चयनित युवराज सैनी का भी अभिनंदन किया। छात्रावास के विधार्थी राहुल का रेलवे विभाग में चयनित होने पर नवलगढ़ हाल मुम्बई निवासी समाजसेवी भामाशाह दिलीप सैनी दुरभाष पर प्रसन्नता जाहिर करते बधाई देते हुए विधार्थी का उत्साह वर्धन करते हुए छात्रावास के अन्य विधार्थियों को भी सफलता अर्जित करने के लिए प्रेरित किया तथा आर्थिक सहयोग किया। कार्यक्रम में समाजसेवी भामाशाह उधोगपति व महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के मुख्य संरक्षक गिरधारी लाल सैनी, संयोजक सज्जन कुमार सैनी, फाइनेंस कंसल्टेंट झाबरमल माली, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, भूमि प्रदाता विनोद कुमार सैनी, दीपचंद सैनी, महावीर प्रसाद सैनी, सुभाष भाटी, सीताराम राकसिया, अनिल सैनी बलोद बड़ी, मनीष कुमार सैनी फतेहपुर, संदीप सैनी ,युवराज सैनी, अमित सैनी फतेहपुर ,अनिल सैनी हेतमसर, राजा सैनी फतेहपुर, गोविंद सैनी फतेहपुर, राहुल सैनी फतेहपुर ,उमेश सैनी सहित छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य व विद्यार्थी मौजूद थे।

मण्डावर: नियमों की अनदेखी और तोड़फोड़ को लेकर शिव कॉलोनी वासियों ने सचिवालय में की शिकायत, जांच के आदेश जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मण्डावर।

शिव कॉलोनी में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं और अधिकारियों की मनमानी को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गुरुवार को कॉलोनीवासियों और वार्ड संख्या 10 के तत्कालीन पार्षद जितेन्द्र कुमार जोशी ने जयपुर सचिवालय पहुँचकर स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक को नगर पालिका मण्डावर के कार्यवाहक ईओ (अधिशासी अधिकारी) और जेईएन (जूनियर इंजीनियर) के खिलाफ एक विस्तृत शिकायत सौंपी। शिकायत में अधिकारियों पर इंजीनियरिंग मानकों की अनदेखी, नाप-तौल में हेरफेर, मिलावटी सामग्री के उपयोग, पद का दुरुपयोग और कई घरों के बाहर बिना नोटिस जेसीबी से अवैध तोड़फोड़ कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

इंजीनियरिंग मानकों की अनदेखी का आरोप

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि पूर्व वार्ड 18 व 19 क्षेत्र की पुरानी सड़क पर बिना किसी तकनीकी सर्वेक्षण या वैधानिक प्रक्रिया के सीधे नई सड़क डालने की तैयारी शुरू कर दी गई है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि पुरानी परत हटाए बिना नई सड़क बिछाना तकनीकी रूप से दोषपूर्ण है और इससे भविष्य में मकानों की नींव और भूमिगत केबलों को गंभीर नुकसान हो सकता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वास्तविक निर्माण नाप को बदलकर पेश किया गया और सीमेंट-बजरी में मिलावट करके काम को जल्दबाज़ी में पूरा करने की कोशिश की गई, जिससे गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ा है।

बिना नोटिस तोड़फोड़ और पद का दुरुपयोग

शिकायत में यह भी कहा गया है कि कई घरों के बाहर अचानक जेसीबी चलवा दी गई, जबकि न तो कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही कोई नोटिस जारी किया गया। आरोप है कि यह पूरा काम 'चहेते व्यक्तियों' को फायदा पहुँचाने की नीयत से किया गया और ईओ व जेईएन ने शिकायतों के बावजूद नियमों को लगातार दरकिनार किया। कॉलोनीवासियों ने सत्ता संरक्षण और पद के दुरुपयोग के चलते निर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता न रखने का गंभीर आरोप लगाया है।।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

कॉलोनीवासियों ने सड़क निर्माण की नाप, सामग्री, प्रोटोकॉल, वित्तीय प्रक्रिया और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और तकनीकी जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने मौजूदा निर्माण कार्य को तत्काल रोकने, अवैध तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करने और पूरे मामले में जवाबदेही तय करने की मांग भी प्रमुखता से दर्ज कराई है। शिकायत की प्रतियां मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, जिला कलक्टर दौसा और अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई हैं।

मुख्य अभियंता ने दिए कार्रवाई के आदेश

इस गंभीर शिकायत पर स्वायत्त शासन विभाग जयपुर के मुख्य अभियंता ने तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने मण्डावर पालिका के अधिशासी अधिकारी को मूल शिकायत पत्र भेजकर पूरे प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं, जिसके बाद मामले में जल्द ही जांच शुरू होने की संभावना है।

फतेहाबाद में 'नशे के खिलाफ एक यात्रा' रवाना, पुलिस अधीक्षक ने दिखाई हरी झंडी

नशे के नाश पर बड़ा संदेश, गांव-गांव जागरूकता फैलाएगा महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । 'नशा नाश का दूसरा नाम है' इसी संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से फतेहाबाद में नशे के खिलाफ एक यात्रा की शुरुआत की गई, जिसे पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिले के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर इस मुहिम को मजबूत समर्थन दिया। कार्यक्रम में महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह, जिला परिषद चेयरमैन सुमन खिचड़, रजाबाद सरपंच गुरबेज सिंह, सरपंच लक्ष्मण, हेमराज, जोगिन्द्र, प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, नम्बरदार अशोक कंबोज, मंगत मित्तल, ओमप्रकाश चुघ, कपिल खत्री, अमन राघव, रजत खांडा, अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक बोले नशा तस्करों पर लगातार सख्त कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि नशा

व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को नुकसान पहुँचाता है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस तस्करों के खिलाफ कड़ी और निरंतर कार्रवाई कर रही है। समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा रहा है और उनकी अवैध संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है।एसपी ने स्पष्ट कहा कि नशा बेचने या तस्करी से संबंधित सूचना देने वाले किसी भी नागरिक की पहचान गोपनीय रखी जाती है और ऐसे मामलों में पुलिस तुरन्त कार्रवाई करती है।

गांव-गांव जाकर जागरूकता फैलाएगा ट्रस्ट

महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने पुलिस अधीक्षक का स्वागत करते हुए बताया कि इस यात्रा के तहत ट्रस्ट की टीमें हर गाँव में घर-घर जाकर नशे से प्रभावित लोगों की जानकारी जुटाएंगी और उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों को उपचार या दवा की आवश्यकता होगी, उन्हें ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। भवानी सिंह ने कहा, 'महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट का एकमात्र लक्ष्य है–फतेहाबाद को पूरी तरह नशा मुक्त बनाना। इस दिशा में समाज और प्रशासन दोनों का सहयोग बेहद जरूरी है। '

एसपी ने प्रशंसा की मुहिम की

पुलिस अधीक्षक ने इस जन-जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ट्रस्ट जिस समर्पण के साथ नशा-मुक्ति को लेकर कार्य कर रहा है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला पुलिस इस मुहिम में हर संभव सहयोग करती रहेगी।

मंत्री आरती राव ने मेडिकल कालेज में बनने वाले अस्पताल का नामकरण शहीद राव तुलाराम करवाया

6 माह से चल रहे धरने का समाप्त करवा कर अपने राजनीतिक परिपक्क होने का परिचय दिया है-भूपेश गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । मंत्री आरती राव की मांग पर कोरियावास मेडिकल अस्पताल का नामकरण शहीद राव तुलाराम की घोषणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मुख से करवा कर स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों की मांग को उठा कर लंबे समय से चले आ रहे धरने का समाप्त करवा दिया है। नामकरण को लेकर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने मंच पर सीएम के सामने मांग रखी थी। इसके बाद सीएम नायब सैनी ने कोरियावास मेडिकल अस्पताल का नाम शहीद तुलाराम के नाम पर रखने की 16 नवंबर को सीएम नायब से घोषणा करवा कर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया है। यह बात राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के अटेली विधानसभा प्रधान भूपेश गुप्ता ने प्रेस को जारी एक बयान में बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने मेडिकल कालेज के नामकरण को लेकर कई माह से कर रहे धरने का समाप्त करवा कर अपने राजनीतिक परिपक्व होने का परिचय दिया है। सीएम रैली के बाद स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव धरना स्थल पर पहुंची तथा नामकरण को लेकर करीब छः माह से ग्रामीण धरने पर बैठे हुए लोगों को उनकी मांग पर कालेज के अंदर अस्पताल का नामकरण शहीद राव तुलाराम करने की घोषणा के बारे में अवगत कराया। स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन पर छः माह धरने पर बैठ लोगों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। जिसके नामकरण को लेकर मई माह से कोरियावास के ग्रामीण मुख्य द्वार के सामने धरने पर बैठे हुए तथा अनेक गांवों से भी लगातार समर्थन मिल रहा था। इसको लेकर ग्रामीणों ने लघु सचिवालय तक रोष मार्च भी निकाला था। अटेली विधानसभा प्रधान भूपेश गुप्ता ने बताया कि अब मांग पूरी होने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया है। इस कार्य के लिए स्वास्थ्य मंत्री के कार्य को लेकर जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। इसके अलावा अटेली अनाज मंडी में वर्षा के निकासी के लिए करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत करवा कर अपने काम के प्रति गंभीर होने को दर्शाता है। कोरियावास गांव में करीब 750 करोड़ रुपये की लागत से नया मेडिकल कॉलेज बना है। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों की कक्षाएं शुरू होने के साथ मेडिकल की सीटों की संख्या भी बढ़ी है।

महिला सुरक्षा पर नीमराना में विशेष कार्यशाला, कार्यस्थल व साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित अनुदानित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना नीमराना की ओर से शुक्रवार को नगर पालिका नीमराना में कार्यरत महिलाओं के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में महिला कर्मचारियों को घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न तथा बालिकाओं के खिलाफ यौन हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा सलाह केंद्र की भूमिका पर प्रकाश अधिकारियों ने महिलाओं को बताया कि महिला सुरक्षा सलाह केंद्र किस प्रकार जरूरतमंद महिलाओं को कानूनी, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराता है। साथ ही उनसे आग्रह किया गया कि वे इन जानकारियों को समाज की अन्य महिलाओं तक भी पहुँचाएँ, ताकि अधिक से अधिक महिलाएँ सरकारी सहायता सेवाओं का लाभ उठा सकें। कार्यशाला में विधिक परामर्शदाता काजल और सामाजिक परामर्शदाता सुषमा ने महिलाओं को सतर्क रहने, घटनाओं की तुरंत रिपोर्ट करने तथा उपलब्ध सुरक्षा साधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान बाला देवी, कविता देवी, कृष्णा देवी, रामरती देवी, सुनीता देवी, अंगूरी देवी, राजबाला देवी, रेखा देवी सहित अनेक महिलाएँ उपस्थित रहीं।

मुंडावर ब्लॉक का गौरव: आदर्श पीएचसी जाटबहरोड़ को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता पुरस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । मुंडावर ब्लॉक के जाट-बहरोड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम (NQAS) के अंतर्गत आदर्श पीएचसी जाटबहरोड़ को नेशनल क्वालिटी सर्टिफिकेट के लिए चयनित किया गया है। मुंडावर ब्लॉक में यह सम्मान पाने वाली यह पहली पीएचसी बनी है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यह राष्ट्रीय प्रमाणपत्र मरीजों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, क्वालिटी मैनेजमेंट, साफ-सफाई, व्यवहार, सुरक्षा मानकों और रिकॉर्ड प्रबंधन जैसे मापदंडों पर सर्वोच्च प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। पीएचसी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपेश पाराशर ने बताया कि पीएचसी को स्टेट लेवल से नॉमिनेशन मिलने के बाद भारत सरकार की टीम 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को जाटबहरोड़ पहुंची। टीम ने यहां- सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों से व्यवहार, साफ-सफाई, जैविक कचरा प्रबंधन, रिकॉर्ड संधारण, सुरक्षा उपाय, संगठनात्मक व्यवस्था सहित कुल 8 मानकों पर गहन मूल्यांकन किया। सभी विभागों- कुल 6 डिपार्टमेंट-में उत्कृष्ट प्रदर्शन पाए जाने पर पीएचसी को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि में चिकित्सा टीम की संयुक्त मेहनत शामिल है। पीएचसी में सेवाएँ देने वाले प्रमुख सदस्य- डॉ. दीपेश पाराशर, SNO महेश सोनी, NO रजनी, मोनिका, हितेश यादव, फार्मासिस्ट अजय, LT हरिराम, ANM यशवंता, कल्पना, PHS सुमित्रा, रमेशचंद (ष्ठश्वह्) विकास एवं गोविंद (CHO) रहे।

बैंक एम्पलाईज फेडरेशन ऑफ़ इंडिया की जनरल काउंसिल मीटिंग आज से

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बैंक एम्पलाईज फेडरेशन ऑफ़ इंडिया की दो दिवसीय जनरल काउसिल बैठक शनिवार 22 नवंबर से जयपुर के वनस्थली मार्ग स्थित होटल शालीमार एवं पिंक पैलेस में होगी। बैठक के पहले दिन बेफी के राष्ट्रीय महासचिव देवाशीष बसु चौधरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. एस.अनिल सहित देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 110 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रदेश बेफी के महासचिव जी. एन.पारीक एवं बेफी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव भंवरलाल कड़वासरा ने बताया कि बैठक में बैंक शाखाओं में कर्मचारियों की भारी कमी, बढ़ता कार्य-दबाव, कर्मचारियों की पोस्टिंग व स्थानांतरण नीति, पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह, तथा पदोन्नति (प्रमोशन) नीतियों में पारदर्शिता के अभाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र में आउटसोर्सिंग की बढ़ती प्रवृत्ति, डिजिटल बैंकिंग के चलते ग्राहकों की जमाओं की सुरक्षा, तथा पेंशन अपडेटेशन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर भी इस दो दिवसीय जनरल काउंसिल बैठक में विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।मीटिंग में राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं जनरल काउंसिल सदस्य भाग लेंगे। इसके अलावा प्रदेश बेफी के स्थानीय नेता सतीश यादव, जितेंद्र भींचर, योगेश सैनी, प्रेमचंद, बनवारीलाल नेहरा, दीपक शर्मा, अनिल कुमार सैनी, बसंत कुमार जम्मड, बिजेन्द्र सैनी, रामसिंह राठौड़, गुनीराम मीणा, संजीव जैन, गोपी शुक्ला, रामकिशोर टांक सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

रेगिस्तान के 'जीवन वृक्ष' खेजड़ी को बचाने की मांग: पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 126वें दिन भी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पर्यावरण संघर्ष समिति का खेजड़ी बचाओ आंदोलन आज भी जारी रहा। समिति का धरना बीकानेर में 126वें दिन में प्रवेश कर चुका है, जबकि खेजड़ला रोही में दईया में चल रहे धरने को आज 49वां दिन हो गया है, जो इस मुद्दे की गंभीरता और आंदोलनकारियों के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। धरना स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने खेजड़ी के महत्व पर जोर दिया। समिति के नेता गिरधारी कूकणा ने इस अवसर पर कहा, 'प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वालों को प्रकृति बख्शती नहीं है। अतः रेगिस्तान का जीवन वृक्ष खेजड़ी का विनाश ना करें। पहाड़ी इलाकों में प्रकृति के विनाश का परिणाम हम सबके सामने है।' उन्होंने रेगिस्तानी पर्यावरण संतुलन के लिए खेजड़ी के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। धरने पर बैठे साथियों ने प्रशासन से मांग की कि खेजड़ी के पेड़ों को काटने और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाली गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाई जाए।

धरने पर मौजूद रहे ये साथी

धरने पर समर्थन देने और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वालों में हरिराम खीचड़, रामगोपाल बिशनोई, शिवदान मेघवाल, इंजि. ओमप्रकाश बिशनोई, परताराम चौधरी, टीकूराम चौधरी, ताहिर खान, रामदेव मेघवाल कोलासर, रामप्रताप वर्मा, शरीफ समेजा, कॉमरेड मूलचन्द खत्री, रामसिंह राहड़, हनुमान काकड़, बुधराम सिगड़, बुधराम सियाग, बाबूलाल भादू, सत्यनारायण कुलड़िया, मूलचन्द जहांगीर, पूर्व पार्षद हसनअली गौरी, हीरू खां टावरी, दुलाराम मेघवाल, अमीन, रेवन्तराम मेघवाल, मो. लतीफ और भगवानाराम डेलू आदि प्रमुखता से मौजूद रहें। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक यह शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रहेगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किया डीएलएड द्वितीय वर्ष परीक्षा का परिणाम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने शुक्रवार को प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र द्विवर्षीय डिप्लोमा (डीएलएड) द्वितीय वर्ष परीक्षा-2025 का परीक्षा परिणाम जारी किया। जाट ने 23 हजार 279 परीक्षार्थियों का परिणाम जारी किया। जिसमें 22 हजार 716 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए हैं। वहीं 448 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम पूरक अथवा सशर्त पूरक रहा। इसके अलावा 115 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। श्री जाट ने बताया कि परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम स्वयं की लॉगिन आईडी से डीएलएड एग्जाम पोर्टल पर ऑनलाइन देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि डीएलएड द्वितीय वर्ष परीक्षा का आयोजन एक से 11 अक्टूबर तक किया गया था। परीक्षा परिणाम जारी होने के दौरान उपनिदेशक नरेंद्र कुमार सोनी, पंजीयक महेश कुमार शर्मा, सहायक निदेशक दिनेश कुमार आचार्य, महेश कुमार सुथार, सहायक अनुसंधान अधिकारी मुन्नी राम गोदारा, संस्थापन अधिकारी मनोज कुमार शर्मा, सुरेश व्यास अनिल गुर्जर एवं पंजीयक कार्यालय के अन्य कार्मिक मौजूद रहें।

पालड़ीवाला आईटीआई के ट्रेनी कैलाश सैनी का रेलवे में हुआ चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पालड़ीवाला आईटीआई के ट्रेनी कैलाश सैनी सुपुत्र लच्छी राम सैनी का भारतीय रेलवे में चयनित हुए हैं। यहज जानकारी देते हुए प्राचार्य राकेश मालवीय ने बताया कि कैलाश ने पलड़ीवाला संस्थान में प्रवेश लेकर डीजल मेकैनिक ट्रेड से प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा भारतीय रेलवे द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं मेडिकल परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर असिस्टेंट लोको पायलट के पद पर चयनित हुए। संस्थान ने कैलाश के चयन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

सराहनीय कार्य के बीएलओ शर्मा सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

21नवंबर। सनवाली के भाग संख्या 141 बीएलओ अरविंद कुमार शर्मा की ओर से स्ढ्ढ्र अभियान पूरा करने पर उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा ने बीएलओ शर्मा को सम्मानित किया ।

ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक एम्पलाईज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी. राजीवन होंगे दो दिवसीय बैठक में शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक एम्पलाईज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी. राजीवन शुक्रवार को जयपुर पहुंचे।राष्ट्रीय अध्यक्ष का जयपुर प्रवास संगठनात्मक मजबूती, बैंकिंग विकास और भविष्य की दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा।जयपुर प्रवास के दौरान उन्होंने राजस्थान ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय व्यावसायिक कार्यालय जयपुर का भ्रमण किया। इस दौरान क्षेत्रीय व्यवसाय कार्य के क्षेत्रीय प्रबंधक उपेंद्र शेखावत से विस्तृत चर्चा की। इससे पूर्व शेखावत ने राजीवन का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया तथा बैंक की प्रगति, शाखाओं के प्रदर्शन और नवाचारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं।राजीवन ने उनके कार्यों और नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए कहा कि बैंक के विकास में क्षेत्रीय प्रबंधक का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों एवं कार्मिकों से मुलाकात की और ग्रामीण बैंकिंग के सतत विकास, एनआरबीआई की स्थापना के दूरगामी लाभ,तकनीकी उन्नयन व डिजिटाइजेशन,कर्मचारियों की सेवा शर्तों एवं कार्य परिस्थितियों तथा भविष्य की चुनौतियों एवं संगठनात्मक रणनीति पर विस्तृत बातचीत की। इस अवसर पर यूनियन के समन्वयक रामकिशोर टाक,अध्यक्ष दीपक शर्मा, जितेन्द्र भीचर, अनिल कुमार सैनी उनके साथ उपस्थित रहे।इस दौरान राजीवन ने बैंक के एलसीपीसी और एसएआरआरसी केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बैंक द्वारा अपनाए गए नवाचार आधारित प्रक्रियाओं, डिजिटल मॉड्यूल्स और कार्य दक्षता सुधार पहलों की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रयास बैंक को आधुनिक, ग्राहक-केंद्रित और परिणामोन्मुखी संस्था के रूप में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

चिड़ावा पंचायत समिति प्रधान इन्द्रा डूडी ने दिया इस्तीफ़ा, जिला परिषद ने किया स्वीकृत

स्वास्थ्य कारणों का हवाला, 6 अक्टूबर को सौंपा था त्यागपत्र, शुक्रवार से पद रिक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा पंचायत समिति की प्रधान इन्द्रा डूडी ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए यह कदम उठाया। प्रधान डूडी ने अपना त्यागपत्र 6 अक्टूबर 2025 को जिला प्रमुख को सौंपा था, जिसे आज 21 नवंबर 2025 को जिला परिषद, झुंझुनूं की जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी द्वारा औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है। इन्द्रा डूडी ने अपने त्यागपत्र में स्पष्ट किया था कि स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वह अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने यह इच्छा व्यक्त की थी कि इस स्थिति में पद पर बने रहना उचित नहीं है। अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए उन्होंने सभी पंचायत समिति सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। जिला परिषद झुंझुनूं द्वारा जारी किए गए आदेश में इस इस्तीफे की पुष्टि की गई है। आदेश में बताया गया है कि डूडी का त्यागपत्र राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 36 के तहत विधिवत रूप से स्वीकार कर लिया गया है। इस स्वीकृति के साथ ही चिड़ावा पंचायत समिति के प्रधान का पद आज दिनांक 21 नवंबर 2025 से रिक्त घोषित कर दिया गया है।

खेतड़ी रोड पर ज्वैलर्स शोरूम में चोरी की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर में दिलखुश होटल के पास खेतड़ी रोड स्थित एक ज्वैलर्स शोरूम में गुरुवार देर रात चोरी का प्रयास हुआ। सीसीटीवी फुटेज में दो युवक ताले तोड़ते नजर आए। उन्होंने दुकान का एक ताला तोड़ लिया था, मगर दूसरा ताला न टूटने और सड़क पर वाहनों की आवाजाही बढ़ने से दोनों मौके से भाग निकले।सीसीटीवी फुटेज में चोर दुकान की रेकी करते हुए दिखाई दे रहे है। और मौका देखकर दुकान का ताला तोड़ते की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे है। घटना की सूचना पर आसूचना अधिकारी महेंद्र यादव मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान, नोखा तहसील के नए अध्यक्ष बने भिया राम मेघवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

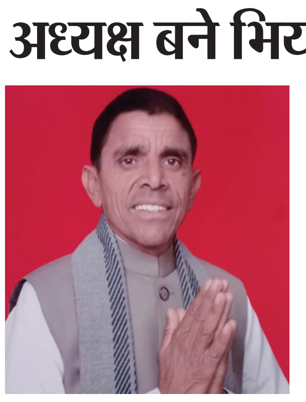

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान में संगठनात्मक मजबूती लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, संस्थान के जिला अध्यक्ष (बीकानेर) त्रिलोक चंद जयपाल ने भिया राम मेघवाल को नोखा तहसील अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। यह महत्वपूर्ण नियुक्ति समाज के कार्यों को तहसील स्तर पर गति देने और संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। माना जा रहा है कि भिया राम मेघवाल की नियुक्ति से नोखा तहसील क्षेत्र में मेघवाल समाज की एकता और सामाजिक कार्यों को नई दिशा मिलेगी। जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि भिया राम मेघवाल अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे, जिससे समाज के हितों की रक्षा और विकास के कार्यों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा।

समाज में हर्ष का माहौल और नई पहल

भिया राम मेघवाल को नोखा तहसील अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे समाज के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। इस अवसर पर, नवनियुक्त अध्यक्ष भिया राम मेघवाल ने संस्थान और जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

शाहजहांपुर में चाय की दुकान में लगी अचानक आग, दमकल ने पाया काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर ढोढाकरी मार्ग से पहले स्थित बुढ़लिया पुल के पास चाय की दुकान में आज दोपहर करीब 2 बजे अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण अभी अज्ञात बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, वहीं नीमराना क्षेत्र से दमकल वाहन बुलाकर आग पर काबू पाया गया। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। दुकान के मालिक सुनील कुमार (बनी जौनायचा) दोपहर के समय खाना खाने घर गए हुए थे। उनके जाते ही कुछ देर बाद दुकान में आग लगने की जानकारी मिली। इस आगजनी में दुकान का सारा सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में 'अन्न बचाओ-समृद्धि लाओ' विषयक सेमिनार आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय झुंझुनूं में गुरुवार को विद्यार्थी केंद्रित गतिविधियों के अंतर्गत 'अन्न बचाओ-समृद्धि लाओ' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं समाजसेवी डॉ. पितराम गोदारा ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल जांगिड ने बताया कि कार्यक्रम में महाविद्यालय के 180 विद्यार्थी एवं प्रवक्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी ने अन्न का सम्मान करने, जूठा भोजन न छोड़ने तथा अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहने की शपथ ग्रहण की। डॉ. गोदारा ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में फास्ट फूड संस्कृति, विवाह समारोहों व विभिन्न आयोजनों में भोजन की बर्बादी एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। उन्होंने बताया कि यूएन रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ लोग भूख से प्रभावित होते हैं, ऐसे में भोजन की बर्बादी अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने विक्रम संवत 1956 के अकाल से लेकर वर्तमान समय में अनाज की गुणवत्ता, भंडारण, संरक्षण तथा भविष्य में संभावित खाद्यान्न संकट पर अपनी शोध व अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। साथ ही युवाओं से अपील की कि वे जागरूकता फैलाकर अन्न के संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में आईआईआई सेल प्रभारी अनूप ने संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पीपीओ में सही बैंक खाता संख्या अपडेट व वार्षिक सत्यापन करवाना अनिवार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं ।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत विभागीय नियमानुसार पेंशनर को वर्ष में एक बार वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना अनिवार्य है। प्रत्येक वर्ष की भांति 1 नवम्बर से कैलेण्डर वर्ष 2026 के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया विभाग द्वारा प्रारम्भ की जा चुकी है। जिले के समस्त पेंशनर्स जिन्होंने अभी तक वार्षिक सत्यापन नहीं करवाया है वे 31 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाएं। विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां ने बताया कि जिले में 282351 पेंशनर्स योजनान्तर्गत लाभान्वित है।

चिड़ावा उप जिला अस्पताल विवाद: पत्रकारों के साथ मारपीट मामले में पुलिस अधीक्षक एवं तहसीलदार को ज्ञापन, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग तेज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा उप जिला अस्पताल में पत्रकारों और चिकित्सकों के बीच हुए विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। पत्रकारों ने झुंझुनूं पुलिस अधीक्षक व उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच, एकतरफा एफआईआर वापस लेने और दोषी डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। चिड़ावा उप जिला अस्पताल में यू-ट्यूब चैनल से जुड़े पत्रकारों और डॉक्टरों के बीच हुए विवाद ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। पत्रकारों का कहना है कि वे अस्पताल में मरीजों को होने वाली दिक्कतों को रिकॉर्ड कर प्रशासन तक पहुंचाना चाहते थे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें रोककर मारपीट की। मारपीट के बाद चिकित्सकों ने कार्य बहिष्कार का दबाव बनाते हुए दो पत्रकारों के खिलाफ एकतरफा एफआईआर दर्ज करवाई, जबकि पत्रकारों की ओर से भी चिकित्सक के खिलाफ शिकायत दी गई थी। घटना के बाद झुंझुनूं के कई पत्रकार और यूट्यूबर एकजुट होकर पुलिस अधीक्षक व उपखंड अधिकारी चिड़ावा के पास पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की। ज्ञापन देने पहुंचे समूह में बजरंग बराला, देव थालौर, अशोक तंवर, पुरुषोत्तम यादव, आशीष चाहर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर राजगुरु, जलेसिंह नेहरा, रवि शर्मा, विजेश स्वामी, सोनू पूनिया, राकेश चौधरी, सचिन सैनी, आशु स्वामी और सुनील चाहर शामिल थे, जिन्होंने घटना को पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला बताया। पत्रकारों ने मांग-पत्र में स्पष्ट किया कि अस्पताल के पीआरओ द्वारा दी गई गलत जानकारी कि वे पत्रकार नहीं हैं, भ्रामक है, क्योंकि यूट्यूब चैनल आरएनआई पंजीकृत हैं। पत्रकारों ने कहा कि लेबर रूम और आईसीयू के सीसीटीवी फुटेज को जांच का हिस्सा बनाया जाए और उप जिला अस्पताल के सभी कैमरों की रिकॉर्डिंग पुलिस के कब्जे में ली जाए।पत्रकारों ने कहा कि एफआईआर सिर्फ पत्रकारों पर दर्ज करना एकतरफा निर्णय है, इसलिए मारपीट में शामिल डॉक्टरों पर भी केस दर्ज किया जाए। उन्होंने शनिवार शाम तक जांच पूरी करके रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भी रखी ताकि मामला पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ सके।

एसआईआर चौक-चौपाल: जस्सूसर गेट, लाली माई पार्क और मुरलीधर व्यास कॉलोनी क्षेत्र में हुए कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत शुक्रवार को मुरलीधर व्यास कॉलोनी, लालीमाई पार्क तथा जस्सूसर गेट क्षेत्र में चौक-चौपाल कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान निर्वाचन कार्यालय के मास्टर ट्रेनर डॉ. एसएल राठी तथा मुकेश अमेरिया ने तकनीकी टीम के साथ आमजन को एसआईआर के बारे में बताया तथा गणना प्रपत्र भरने एवं इन्हें डिजिटाइज्ड करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीएलओ द्वारा घर-घर गणना प्रपत्र वितरण और इन्हें भरकर ऑनलाइन करने का कार्य किया जा रहा है। मतदाता सूचियां को त्रुटिरहित हों और कोई भी पात्र व्यक्ति इससे छूटे नहीं एवं अपात्र जुड़ा नहीं रहे, इसके मद्देनजर उन्होंने आमजन से सकारात्मक सहयोग का आह्वान किया। टीम ने विभिन्न दुकानों, थडियों, सार्वजनिक उद्यानों में भी संपर्क किया और एसआईआर के बारे में बताया। उल्लेखनीय है कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार बीकानेर शहर में तीन दिवसीय चौक-चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके तहत शहर के 9 प्रमुख क्षेत्रों में एसआईआर के प्रति जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम हुए।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन' में फतेहाबाद पुलिस का बड़ा वार: अपराधियों में हड़कंप, हथियार और नशीले पदार्थ भारी मात्रा में बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

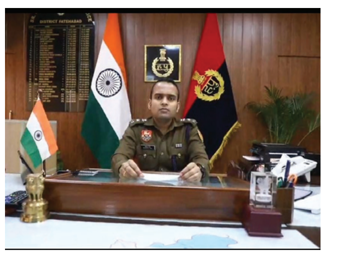

रजत विजय रंगा । हरियाणा पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर 5 से 20 नवंबर 2025 तक प्रदेशभर में चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के तहत फतेहाबाद पुलिस ने संगठित अपराधियों, अवैध हथियारों और नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने बताया कि अभियान का उद्देश्य जिले में अपराध नियंत्रण करना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना था। उन्होंने बताया कि इस दौरान फतेहाबाद पुलिस ने गंभीर अपराधों पर विशेष नजर रखते हुए 40 अपराधियों को गिरफ्तार किया।विशेष कार्रवाई में 4 गैंगों के अपराधियों पर निगरानी रखी गई और 1 आरोपी के खिलाफ एनएसए के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके अलावा, 4 आरोपियों की हिस्ट्री शीट बनाई गई और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि इस अवधि में फतेहाबाद पुलिस ने 192 अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा।

गश्त, निगरानी और तकनीक आधारित पुलिसिंग

एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि लगातार गश्त, निगरानी, खुफिया तंत्र को मजबूत करना और तकनीक आधारित पुलिसिंग की वजह से जिले में अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण सुधार आया है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराधियों पर और अधिक प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। 'फतेहाबाद पुलिस अपराध मुक्त और सुरक्षित समाज के लक्ष्य की ओर निरंतर कार्यरत है। कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी स्तर पर बख्शा नहीं जाएगा,' ।

पोलियो अभियान की जागरूकता को लेकर निकाली गई रैली 23 नवंबर को आयोजित होगा पोलियो अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं ।

जिले में 23 नवंबर को पल्स पोलियो अभियान के तहत 5 साल तक के 1 लाख 66 हजार 38 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। अभियान की जागरूकता को लेकर शुक्रवार को नर्सिंग स्टूडेंट्स द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को कलक्टर डॉ अरुण गर्ग ने शहीद पार्क से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। जो शहर के रोड़ न एक से रोडवेज बस डिपो होते हुए जेपी जानू स्कूल तक पहुंची। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, आर सी एच ओ डॉ दयानंद सिंह, पीएमओ डॉ जितेंद्र भांभू, डीपीसी डॉ महेश कड़वासरा, गवर्मेंट नर्सिंग कॉलेज से अंजना चौधरी, पूनम डांगी मौजूद रहे।

कलक्टर डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि यह हमारे निरंतर प्रयास और मॉनिटरिंग का नतीजा है कि 2014 के बाद हमारे देश में पोलियो का कोई मामला नहीं आया है । जिले भर में हमारे एक लाख 67 हजार से अधिक बच्चों को रविवार से पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। हम सभी का यह दायित्व है कि अभियान में भागीदारी कर सफल बनाए और पोलियो पर जीत बरकरार रखे। सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ अरुण गर्ग के दिए निर्देशानुसार पूर्व की भांति इस बार भी 23 नवंबर को पोलियो अभियान का क्रियान्वयन सफलता पूर्वक कर 5 साल तक के सभी लक्षित 1 लाख 67 हजार बच्चों को दवा पिलाकर पोलियो से उनके भविष्य को सुरक्षित बनाएंगे है। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए जिले में कुल 1566 बूथ बनाए गए हैं, 26 ट्रांजिट टीम बनाई गई है उन्होंने बताया कि 109 सेक्टरों में 77 वैक्सीन डिपो बनाए गए हैं जिले में 6504 वैक्सीनेटर बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि कलक्टर डॉ अरुण गर्ग ने शिक्षा विभाग को रविवार 23 नवंबर को स्कूलों को खुला रखने के निर्देश दिए हैं। डॉ गर्ग ने विद्युत विभाग को विद्युत सप्लाई आपूर्ति यथावत रखने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएचओ में होगी 2 हजार कर्मियों की छंटनी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पुष्टि की है कि उसके वैश्विक कार्यबल में अगले साल मध्य तक करीब 22 प्रतिशत की कमी आ जाएगी। यह कटौती 2,371 पदों की होगी, जिससे 2025 की शुरुआत में मौजूद 9,401 पदों की संख्या घटकर करीब 7,000 रह जाएगी। यह कदम उस समय उठाया जा रहा है, जब उसके सबसे बड़े दाता अमेरिका ने संगठन से बाहर होने का निर्णय लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने जनवरी 2025 में पद संभालते ही डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने की घोषणा कर दी थी।

पड़ोसी सूडान में ड्रोन हमले के बाद दक्षिण सूडान ने तेल निर्यात फिर से शुरू किया

खार्तूम, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पड़ोसी सूडान में दो प्रमुख तेल प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार परिचालन को आपातकालीन रूप से बंद करने के बाद दक्षिण सूडान ने कच्चे तेल का परिवहन और निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अवर सचिव देंग लुआल वोल ने जुबा में संवाददाताओं को बताया कि 'दक्षिण सूडान के सभी तेल क्षेत्रों में परिचालन सामान्य हो गया है' और कच्चा तेल फिर से पाइपलाइनों के माध्यम से लाल सागर स्थित पोर्ट सूडान के निर्यात टर्मिनलों तक पहुंच रहा है।

कोसोवो में सांसदों द्वारा सरकार चुनने में नाकामी के बाद जल्द चुनाव

प्रिस्तीना, एजेंसी। कोसोवो के सांसद बुधवार को नई सरकार चुनने में नाकाम रहे, जिससे इस छोटे से बाल्कन राष्ट्र में महीनों से चल रहे राजनीतिक संकट के बाद जल्द चुनाव का रास्ता साफ हो गया। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत ग्लौक कोनजुफ्का, सत्तारूढ़ सेल्फ-डिटरमिनेशन मूवमेंट पार्टी के, 120 सदस्यीय विधानसभा में 56 वोट हासिल कर पाए, जो चुनाव के लिए आवश्यक बहुमत से बस थोड़ा कम है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती की सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह मतदान एक बड़ा झटका है। पार्टी ने फरवरी में हुए चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल किए थे, लेकिन अकेले शासन करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। तब से यह संसदीय बहुमत हासिल करने वाला कोई राजनीतिक गठबंधन बनाने में विफल रही है। राष्ट्रपति व्लोसा ओस्मानी को अब संसद भंग करनी होगी और 10 दिनों के भीतर जल्द चुनाव कराना होगा।

ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को सीएफपीबी का नेतृत्व करने के लिए नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो (सीएफपीबी) के अगले निदेशक के रूप में नामित किया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना है, जिनके पास बैंकिंग या वित्तीय सेवाओं का कोई अनुभव नहीं है। यह ब्यूरो ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निष्क्रिय पड़ा है। लेवेनबैक वर्तमान में प्रबंधन एवं बजट कार्यालय में एक सहयोगी निदेशक हैं और प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विज्ञान और जल संबंधी मुद्दों को संभालते हैं। लेवेनबैक के बायोडाटा में विज्ञान और प्राकृतिक संसाधन संबंधी मुद्दों से निपटने का अच्छा अनुभव दिखाई देता है, जहां उन्होंने ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया था।

इंडोनेशिया में फिर फट उठा ज्वालामुखी, 13 किलोमीटर तक उड़ी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने माउंट सेमेरू ज्वालामुखी में सिलसिलेवार और खौफनाक विस्फोटों के बाद बड़े स्तर पर अलर्ट जारी कर दिया है। हालात यह हैं कि कई गांवों को खाली कराया गया है और लोगों से एहतियातन ज्वालामुखी से कई किमी के दायरे से दूर रहने की सख्त चेतावनी दे दी गई है। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में बताया कि पर्यटन स्थल बाली से लगभग 310 किलोमीटर पश्चिम में पूर्वी जावा स्थित माउंट सेमेरू स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे फट गया। इंडोनेशिया का यह ज्वालामुखी सबसे घनी आबादी वाले द्वीप पर स्थित है। माउंट सेमेरू से गर्म राख और चट्टान, लावा और गैस के मिश्रण निकल रहे हैं जो बुधवार दोपहर से शाम तक कई बार ढलानों से सात किलोमीटर तक नीचे तक आ गए। वहीं गर्म बादल सतह से करीब दो किलोमीटर तक उठ गए हैं। एजेंसी ने बताया कि विस्फोटों के कारण कई गांव राख से ढक गए और अधिकारियों ने ज्वालामुखी को लेकर सतर्कता स्तर को उच्चतम कर दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026

बीएलओ ने दिखाया समर्पण, मतदाता सूची पुनरीक्षण में जिले के 9 अधिकारियों ने किया 100' डिजिटाइजेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

लोकतांत्रिक प्रणाली की मजबूती में मतदाता सूची की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत जिले के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म संग्रहण करने के साथ-साथ डिजिटाइजेशन और सत्यापन जैसे तकनीकी कार्यों को भी सटीकता से संपादित कर रहे हैं। शुक्रवार को जिले के 9 बीएलओ ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किया और 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूर्ण किया।

इनमें झुंझुनूं विधानसभा के भाग संख्या 236 के बीएलओ अमित कड़वासरा, भाग संख्या 98 के बीएलओ सुनील कुमार चाहर, मंडावा विधानसभा के भाग संख्या 237 की बीएलओ अनीता, भाग संख्या 96 के बीएलओ भागीरथ बसेरा, उदयपुरवाटी के भाग संख्या 234 के बीएलओ सुभाष चंद्र लांबा, खेतड़ी के भाग संख्या 8 के बीएलओ राजेश कुमार, नवलगढ़ के भाग संख्या 188 के बीएलओ गोविंद सिंह तथा पिलानी विधानसभा के भाग संख्या 12 के बीएलओ रामदयाल और भाग संख्या 217 के बीएलओ राजेश कुमार शामिल हैं।

बीएलओ सुनील कुमार चाहर को झुंझुनू एसडीएम कौशल्या बिश्नोई ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

BLO Anita

महिला बीएलओ अनीता ने पेश की मिसाल, समय पर किया शत-प्रतिशत कार्य

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के दौरान मंडावा विधानसभा क्षेत्र की भाग संख्या 237 की बीएलओ अनीता ने अपने कार्य में असाधारण समर्पण और दक्षता का परिचय देते हुए शत-प्रतिशत EF फॉर्म संग्रहण कर निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी तरह ऑनलाइन अपलोड कर उन्हें डिजिटाइज किया। उनका यह प्रयास निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, सटीकता एवं प्रभावशीलता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। महिला अधिकारी होने के बावजूद क्षेत्रीय परिस्थितियों, समयबद्ध लक्ष्य और जनसंपर्क जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यों को धैर्य, कुशलता और अनुशासन के साथ पूरा करना उनकी कार्यदक्षता को और विशिष्ट बनाता है। मंडावा विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ERO) सुमन देवी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (AERO) डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने अनीता के इस उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई प्रदान की।

मंगल पर नासा ने खोजा रहस्यमय 'एलियन पत्थर', ग्रह की प्राकृतिक बनावट से बिल्कुल अलग; वैज्ञानिक हैरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसेवरेंस रोवर ने मंगल की सतह पर एक रहस्यमय पत्थर खोजा है। यह पत्थर लाल ग्रह की प्राकृतिक और भौगोलिक संरचना से बिल्कुल मेल नहीं खाता। वैज्ञानिकों ने 80 सेंटीमीटर लंबे इस पत्थर को फिप्साक्सला नाम दिया है। फिलहाल वे इसे एलियन रॉक के नजरिये से ही देख रहे हैं। इस पत्थर को 19 सितंबर, 2025 को लेफ्ट मास्टकैम-जेड कैमरे से तस्वीरों में कैद किया गया। उस समय रोवर जेजेरो क्रेटर के पास वर्नोडेन क्षेत्र की चट्टानों का नियमित अध्ययन कर रहा था। नासा ने इस खोज को अपने एक ब्लॉग में इस खोज को साझा किया है।

किसी अन्य सौरमंडल का हिस्सा हो सकता है फिप्साक्सला : यह पत्थर एक छोटी डेस्क जैसा दिखता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि हो सकता है कि फिप्साक्सला को किसी अन्य सौरमंडल से यहां लाया गया हो। दूसरा तर्क यह भी है कि यह किसी प्राचीन उल्कापिंड वर्षा का परिणाम हो सकता है। यह चट्टान जिस बेडरॉक पर टिकी है वह इसके लंबे समय

तक सुरक्षित रहने का संकेत देती है। 2014 में मिला था लेबनान उल्कापिंड क्यूरियोसिटी रोवर ने 2014 में दो मीटर चौड़े लेबनान और 2023 में काकाओ नामक उल्कापिंड खोजे थे। इन खोजों के बाद वैज्ञानिक उम्मीद कर रहे थे कि जेजेरो में भी ऐसी धात्विक चट्टानें मिलेंगी, क्योंकि यह क्षेत्र काफी पुराना है और यहां अनेक छोटे प्रभाव-गड्ढे मौजूद हैं। यह उल्कापिंडों के नियमित गिरने का संकेत देते हैं। नासा अब इस रहस्यमयी चट्टान के इतिहास और उत्पत्ति की पुष्टि के लिए आगे की जांच कर रहा है।

दुनिया के सामने आएगा एपस्टीन फाइल में छिपा राज, ट्रंप ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने को दी मंजूरी

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी फाइलें जारी करने वाले बिल पर साइन कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार देर शाम को इस बात की जानकारी दी। कांग्रेस ने इस बिल को पहले पास किया था। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के गलत कामों की अपनी जांच से मिली सारी जानकारी 30 दिनों के अंदर सर्च और डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में रिलीज करनी होगी। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने इसका खुलकर विरोध किया था। जेफरी एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था जिसकी 2019 में फेडरल कस्टडी में मौत हो गई थी। इससे पहले यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने मंगलवार को बिल पास करने के लिए 427-1 से वोट किया और बाद में सीनेट ने इसे मंजूरी दे दी। वोट से पहले दोनों पार्टियों के

बीच संसद में तीखी बहस देखने को मिली। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर डॉक्यूमेंट्स तक पब्लिक एक्सेस में देरी करने का आरोप लगाया। स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंट का इससे कोई लेना-देना नहीं है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। स्पीकर ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने का समर्थन तो किया, लेकिन डेमोक्रेट्स की इसे अभी आगे बढ़ाने के लिए आलोचना की। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने एपस्टीन के सभी डॉक्यूमेंट्स जारी करने का महीनों तक विरोध किया था, लेकिन पिछले रविवार को ट्रंप ने कहा कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनकी पार्टी के सदस्य फाइलों के खजाने को खोलने के लिए कानून के लिए वोट कर सकते हैं। ट्रंप कहा, 'यह डेमोक्रेट्स की प्रॉब्लम है। वे एपस्टीन के दोस्त थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर डेमोक्रेट्स को घेरते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'जेफरी एपस्टीन (जिन पर 2019 में ट्रंप जस्टिस डिपार्टमेंट ने आरोप लगाया था) पूरी जिंदगी डेमोक्रेट रहे। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं को हजारों डॉलर दान किए और कई जाने-माने डेमोक्रेट लोगों से गहराई से जुड़े थे, जैसे बिल क्लिंटन (जिन्होंने उनके प्लेन में 26 बार सफर किया), लैरी समर्स (जिन्होंने हाल ही में हार्वर्ड समेत कई बोर्ड से इस्तीफा दिया है), पॉलिटिकल एक्टिविस्ट रीड हॉफमैन, माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज (जिन्होंने एपस्टीन पर आरोप लगने के बाद उनसे अपने कैंपेन के लिए दान करने को कहा था), डेमोक्रेट कांग्रेस वुमन स्टेसी प्लास्केट और भी कई।' उन्होंने आगे कहा, 'शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके जुड़ाव की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए बिल पर साइन किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, मैंने हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून से इस बिल को हाउस और सीनेट में पास करने के लिए कहा था। मेरे कहने पर, डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पहले ही कांग्रेस को करीब पचास हजार पेज के डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए हैं। मत भूलिए, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने डेमोक्रेट एपस्टीन से जुड़ी एक भी फाइल या पेज नहीं सौंपा और न ही उन्होंने कभी उनके बारे में बात की।

नेपाल: जेन-जी आंदोलन में 80 अरब की संपत्ति का नुकसान, उद्योगों से लेकर सरकारी ढांचे तक बड़ा नुकसान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आठ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन और नौ सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान 8,000 करोड़ (80 अरब) से अधिक नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। अर्थ (फाइनेंस) मंत्रालय के अनुसार, जेन-जी प्रदर्शन के दौरान देशभर में सार्वजनिक संपत्ति, निजी व्यवसाय, संस्थान व व्यावसायिक समूहों को मिलाकर 80.22 अरब नेपाली रुपये की क्षति की प्रारंभिक रिपोर्ट आई है। क्षति मूल्यांकन तथा पुनर्निर्माण अध्ययन उपसमिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट पर अर्थ मंत्रालय में चर्चा की। सरकार जहां लगभग एक खरब रुपये तक की क्षति का अनुमान लगा रही थी, वहीं उपसमिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह राशि उससे लगभग 20 अरब रुपये कम बताई गई है। 80.22 अरब में से 39 अरब रुपये का निजी क्षेत्र को, 28 अरब का संघीय सरकार को, चार अरब का प्रांतीय सरकारों को तथा नौ अरब का स्थानीय संरचनाओं व उद्योग व्यवसायों को नुकसान हुआ है। बैठक में उपसमिति ने बताया कि अभी अंतिम विवरण आना बाकी है।

जेन-जी और ओली समर्थकों में हुआ टकराव, कर्फ्यू : भारत के सीमावर्ती नेपाल के बारा जिले में जेन-जी व सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसके बाद क्षेत्र में बुधवार को कर्फ्यू लागू कर दिया गया। सीपीएन-यूएमएल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी है। बारा जिले के प्रशासनिक कार्यालय ने बताया कि सिमारा हवाईअड्डे के 500 मीटर के दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू रहेगा। यह फैसला जेन-जी व पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थकों के बीच टकराव के बाद लेना पड़ा। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ युवाओं की नारेबाजी के बाद बढ़ा तनाव पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में युवा सिमारा हवाईअड्डे पर जुट गए और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दोनों पक्षों में टकरवा हो गया। यह टकराव उस समय हुआ, जब पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल व युवा नेता महेश बस्नेत काठमांडो से सिमारा आने वाले थे, जहां दोनों नेता सरकार विरोधी रैली को संबोधित करने वाले थे।

आज ममदानी से मिलेंगे ट्रंप, जुबानी वार-पटलवार के बीच पहली बार होगा आमना-सामना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी उनसे शुक्रवार, 21 नवंबर को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कम्युनिस्ट मेयर ऑफ न्यूयॉर्क सिटी, जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हम शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मिलने पर सहमत हुए हैं। आगे और जानकारी दी जाएगी।'

चुनाव से पहले और बाद में तीखी बयानबाजी : ट्रंप और ममदानी के बीच चुनाव अभियान के दौरान से ही तीखा राजनीतिक टकराव चलता रहा है। ट्रंप ने चुनाव से ठीक पहले कहा था कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए 'पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही' साबित होगी। वहीं, जीत के बाद अपने जोशीले भाषण में ममदानी ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि न्यूयॉर्क 'प्रवासी लोगों से चलता है, और अब एक प्रवासी इसे नेतृत्व देगा। उन्होंने ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर किसी को ट्रंप को हराना आता है, तो वह वही शहर है जिसने उन्हें जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को डराना है, तो उसकी सत्ता की बुनियाद को बदल दो। ट्रंप, अगर आप देख रहे हैं, तो वॉल्यूम बढ़ा लीजिए।'

ट्रंप की प्रतिक्रिया- 'बहुत गुस्से वाला भाषण' : ट्रंप ने ममदानी के भाषण को 'बहुत गुस्से

से भरा' बताया और कहा कि इस रवैये से वे सफल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहल ममदानी को करनी चाहिए थी, 'मैं तो यहां हूं। देखेंगे क्या होता है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ही पहले संपर्क करना चाहिए था।' इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि 'मैं चाहता हूं कि नया मेयर अच्छा करे, क्योंकि मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं।'

कम्युनिज्म नहीं चला है- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहते रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 'हजारों वर्षों में कम्युनिज्म कभी काम नहीं कर पाया है। मुझे नहीं लगता कि इस बार भी चलेगा।'

न्यूयॉर्क को मिला पहला दक्षिण एशियाई, मुस्लिम मेयर : जोहरान ममदानी ने बेहद कड़े मुकाबले में यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का नेतृत्व करने वाले पहले दक्षिण एशियाई और पहले मुस्लिम नेता बन गए हैं। उन्होंने रिपब्लिकन कैंडिडेट कर्टिस स्लिवा और पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्र्यू क्यूओमो को हराया। क्यूओमो को चुनाव से ठीक पहले ट्रंप का समर्थन मिला था, फिर भी वह हार गए।

यूक्रेन के लिए योजना बना रहा अमेरिका, शांति बहाली के लिए भेजे गए शीर्ष सैन्य अधिकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए एक गोपनीय योजना पर काम कर रहा है। इस योजना से जुड़े एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि यह ट्रंप के कार्यकाल के सबसे अहम कूटनीतिक प्रयासों में से एक है। सीएनएन के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच चल रही गोपनीय बातचीत के मुख्य चेहरे हैं। वह इन वार्ताओं का नेतृत्व कर रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि अमेरिकी अदिकारियों का मानना है कि क्रेमलिन किसी संभावित समझौते में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है, इसलिए इस हफ्ते बातचीत में तेजी आई है। इसी बीच सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल बुधवार को रक्षा मंत्रालय (जिसका नाम बदलकर अब युद्ध मंत्रालय कर दिया गया है) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम के साथ यूक्रेन पहुंचे। सेना के प्रवक्ता कर्नल डेव बटलर ने कहा कि वह युद्ध खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा करने और यूक्रेनी अधिकारियों से मिलने के लिए तथ्य जांच (फैक्ट-चेक) मिशन पर आए हैं। अमेरिका के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह दौरा राष्ट्रपति के आदेश पर किया गया है, ताकि सरकार के शांति प्रयासों को फिर से आगे बढ़ाया जा सके। रिपोर्ट में बताया गया है कि ड्रिस्कॉल राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अन्य शीर्ष यूक्रेनी नेताओं को युद्ध की वास्तविक स्थिति, हथियारों की जरूरत और संभावित कूटनीतिक तरीकों के बारे में जानकारी देंगे। इस यात्रा की जानकारी सबसे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी थी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री डेनिस शिमहाल ने टेलीग्राम पर ड्रिस्कॉल के साथ अपनी बैठक की पुष्टि की और दोनों की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने हर दिन

यूक्रेनी नागरिकों की जान बचाने में अमेरिकी समर्थन के लिए उनका आभार जताया। ड्रिस्कॉल पहले की बैठकों में नजर नहीं आए थे। लेकिन वह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। दोनों येल लॉ स्कूल में साथ थे। ड्रिस्कॉल मुख्य रूप से रक्षा खरीद के मामलों पर काम करते रहे हैं। उनके साथ आने वाले अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज, यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष कमांडर जनरल क्रिस डोनाह्यू और आर्मी के सार्जेंट मेजर माइकल वैमर भी शामिल थे। रूस के अधिकारियों ने भी शीर्ष स्तर पर वार्ता जारी होने की पुष्टि की और सीएनएन को बताया कि अमेरिका-रूस की बातचीत जारी है, जिसमें विटकॉफ भी शामिल हैं। रूसी विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने अक्तूबर में अमेरिका का दौरा किया था, जहां उन्होंने कई बैठकें कीं। एक रूसी सूत्र ने इन बैठकों को 'बहुत उत्पादक चर्चा' बताया। एक्सिओस की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच जिस मसौदे पर बातचीत हो रही है, वह 28 बिंदुओं का है और इसमें यूक्रेन व यूरोप की सुरक्षा गारंटी, साथ ही अमेरिका के दोनों देशों के साथ भविष्य के संबंधों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। जब इस बारे में पूछा गया, तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रिपोर्ट को कम महत्व दिया और कहा कि अभी बताने के लिए कुछ नई चीज नहीं है।

रोहित वनडे रैंकिंग में 22 दिन ही नंबर-1 रहे

46 साल बाद कोई कीवी बल्लेबाज टॉप पर पहुंचा; गिल-पंत टेस्ट बैटर्स में टॉप-10 से बाहर

रोहित शर्मा केवल 22 दिन ही वनडे बैटर्स रैंकिंग में नंबर-1 रहे। अब न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने उन्हें पीछे छोड़कर टॉप पोजिशन हासिल कर ली है। 46 साल बाद कोई कीवी खिलाड़ी वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचा है। इससे पहले 1979 में ग्लेन टर्नर नंबर-1 बने थे।

रोहित ने 29 अक्टूबर को पहली बार टॉप पोजिशन हासिल की थी। 38 साल 182 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करके वे वनडे रैंकिंग में सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज बने थे। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो 38 साल 73 दिन की उम्र में नंबर-1 बने थे।

टेस्ट रैंकिंग में कप्तान शुभमन गिल को 2 स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उपकप्तान ऋषभ पंत को 4 स्थान का घाटा लगा है। वे 8वें से खिसककर 12वें नंबर पर आ गए हैं। मिचेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाया क्राइस्टचर्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में डेरिल मिचेल ने 118 गेंदों पर 119 रन की शानदार पारी खेली थी। इसी प्रदर्शन के चलते उन्होंने रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान को पीछे छोड़ दिया। वर्तमान रेटिंग में मिचेल 782 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं, जबकि रोहित शर्मा 781 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

बाबर आजम छठे स्थान पर पहुंचे बाबर आजम रैंकिंग में एक स्थान ऊपर बढ़कर सातवें से छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में उन्होंने नाबाद 102 रन बनाए थे, जो उनका दो साल बाद पहला इंटरनेशनल शतक था। मोहम्मद रिजवान और फखर जमान भी दो-दो अर्धशतकों की मदद से रैंकिंग में सुधार करते हुए क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अबरार अहमद पहली बार टॉप-10 में बॉलर्स रैंकिंग में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद ने पहली बार टॉप-10 में जगह बना ली हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में तीन विकेट लेने के बाद वे 11 स्थान की छलांग लगाकर नौवें नंबर पर पहुंच गए। टॉप-8 में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ICC वनडे बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर्स	टीम	रेटिंग
1	डेरिल मिचेल	न्यूजीलैंड	782
2	रोहित शर्मा	भारत	781
3	इब्राहिम जादरान	अफगानिस्तान	764
4	शुभमन गिल	भारत	745
5	विराट कोहली	भारत	725
6	बाबर आजम	पाकिस्तान	722
7	हैरी टेक्टर	आयरलैंड	708
8	श्रेयस अय्यर	भारत	700
9	चरिथ असलंका	श्रीलंका	690
10	शाई होप	वेस्टइंडीज	689

अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर-1 और इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर नंबर-2 पर बरकरार हैं।

इसी सूची में पाकिस्तान के हारिस रऊफ पांच स्थान बढ़कर 23वें, वेस्टइंडीज के जेडेन सील्स तीन स्थान बढ़कर 20वें और रोस्टन चेज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेम्बा बावुमा ने करियर की बेस्ट रैंक हासिल की टेस्ट रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा कोलकाता टेस्ट में नाबाद 55 रन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंक पर पहुंच गए हैं। टॉप-4 में कोई बदलाव नहीं है। इंग्लैंड के जो रूट नंबर-1 और हैरी ब्रूक नंबर-2 पर बने हुए हैं।

बुमराह टॉप पर कायम टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग जसप्रीत बुमराह टॉप पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर मैट हेनरी बने हुए हैं। साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर ने चार-चार विकेट की दो बेहतरीन स्पेल के बाद 20 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 24वीं रैंक हासिल कर ली है। भारत के कुलदीप यादव दो स्थान ऊपर बढ़कर 13वें नंबर पर और रवींद्र जडेजा चार स्थान चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से

बेन स्टोक्स का चैलेंज, ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचेंगे, इंग्लैंड का दुर्लभ 'एशेज जीत' मिशन शुरू

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया में एशेज जीतने के कठिन मिशन के लिए तैयार रहने का संदेश दिया है। इंग्लैंड ने आखिरी बार 2010-11 में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर एशेज ट्रॉफी जीती थी। और तब से अब तक टीम को लगातार निराशा हाथ लगी है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से इंग्लैंड सिर्फ पाँच बार ही ऑस्ट्रेलिया से एशेज जीतकर लौटा है, इसलिए इस बार भी उम्मीदों का बोझ काफी बड़ा है।

स्टोक्स का मानना है कि यह टीम पिछले इतिहास को पीछे छोड़कर खुद का नया अध्याय लिख सकती है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा मुश्किल होता है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम बेहद मजबूत है और इंग्लैंड का रिकॉर्ड यहाँ खास नहीं रहा है। लेकिन आने वाले ढाई महीनों में इंग्लैंड के पास मौका है कि वे नया इतिहास रचें और मिड जनवरी में एशेज जीतकर घर लौटें।

ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड को मिला नए जोश और बढ़त का सहारा

स्टोक्स ने क्रिकबज के हवाले से कहा- इस बार का दौरा कई मायनों में अलग है। पिछले तीन वर्षों से इंग्लैंड की बैजबॉल ब्रिगेड इसी श्रृंखला के लिए खुद को तैयार कर रही है। कोविड नियमों के कारण पिछली एशेज सीरीज में इंग्लैंड के समर्थक ऑस्ट्रेलिया नहीं पहुंच सके थे, लेकिन इस बार हजारों इंग्लिश फैंस टीम का हौसला बढ़ाने पहुंचे हैं। स्टोक्स ने बताया कि खिलाड़ियों ने पिछले कुछ दिनों में कई इंग्लिश समर्थकों को सड़कों पर देखा है, जिससे टीम का उत्साह और बढ़ गया है।

इंग्लैंड को एक और बढ़त यह है कि ऑस्ट्रेलिया अपने दो दिग्गज तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के बिना उतर रहा है। ऐसे में पर्थ में इंग्लैंड मजबूत शुरुआत करना चाहेगा। स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम तेज गेंदबाज़ों के साथ उतरने की योजना बना रहे हैं। मार्क वुड को खेलने की अनुमति मिल गई है, भले ही उन्होंने वॉर्म अप मैच में सिर्फ आठ ओवर फेंके थे।

स्टोक्स खुद भी कंधे की चोट के बाद पूरी तरह फिट होकर बतौर ऑलराउंडर मैदान पर उतरने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह बल्ले और गेंद, दोनों भूमिकाओं में टीम को 100 प्रतिशत योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अंत में स्टोक्स ने कहा मैं अपने शरीर से जितना दे सकता हूँ, सब कुछ इंग्लैंड के लिए दूंगा।

गांगुली ने नंबर-3 पर सुंदर को भेजने पर सवाल उठाए

बोले-टेस्ट में नंबर-3 पर सिर्फ स्पेशलिस्ट बल्लेबाज; वॉशिंगटन लंबे समय के विकल्प नहीं

पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि टीम इंडिया को टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज उतारने चाहिए।

उनके मुताबिक वॉशिंगटन सुंदर,भले ही एक उपयोगी ऑलराउंडर हो, लेकिन लंबे समय में यह महत्वपूर्ण बल्लेबाजी स्थान उनके लिए सही नहीं है।

सुंदर पहले टेस्ट में 29 और 31 रन बनाए थे कोलकाता के ईडन गार्डन्स में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में सुंदर ने 29 और 31 रन बनाए थे। भारत यह मैच 30 रन से हार गया और सीरीज में 0-1 से पीछे हो गया। गांगुली ने कहा कि नंबर-3 जैसी अहम पोजीशन दुनिया के सभी देशों में चुनौतीपूर्ण होती है। उन्होंने कहा,सुंदर अच्छे क्रिकेटर हैं। बॉलिंग भी करते हैं और बैटिंग भी, लेकिन मैं आश्वस्त नहीं हूं कि टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक नंबर-3 उनकी सही जगह है। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका या न्यूजीलैंड जैसी जगहों पर नंबर-3 पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज ही खेलना चाहिए। गांगुली ने यह भी कहा कि टीम मैनेजमेंट और कोच गौतम (गंभीर) को इस पर ध्यान देना होगा कि टीम का टॉ ऑर्डर हमेशा विशेषज्ञ खिलाड़ियों से भरा हो। इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज सीरीज में साई सुदर्शन और करुण नायर नंबर-3 पर खेले थे भारत ने हाल की

इंग्लैंड सीरीज़ और उसके बाद वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू मुकाबलों में साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 की भूमिका में आजमाया था। दोनों को शीर्ष क्रम के विशेषज्ञ बल्लेबाज़ के तौर पर देखा जाता है।

गुवाहाटी में दूसरा टेस्ट भारत 1-0 से पीछे है और सीरीज बचाने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना जरूरी है। दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां टीम इंडिया सीरीज बराबर करने की कोशिश करेगी।

100वें टेस्ट में मुशफिकुर रहीम का शतक

बांग्लादेश 476 रन बनाकर ऑलआउट, आयरलैंड के 5 विकेट 98 रन पर गिराए

अपने 100वें टेस्ट में बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम ने 106 रन बना दिए। उनके साथ विकेटकीपर लिट्टन दास ने भी सेंचुरी लगाई और टीम को पहली पारी में 476 रन तक पहुंचा दिया। ढाका में गुरुवार को मुकाबले के दूसरे दिन आयरलैंड ने भी अपनी बैटिंग शुरू कर दी। टीम ने महज 98 रन पर 5 विकेट भी गंवा दिए। मुशफिकुर रहीम का रिकॉर्ड शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में बांग्लादेश ने 292/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। मुशफिकुर ने शतक लगा दिया, वे 106 रन बनाकर आउट हुए। मुशफिकुर अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले दुनिया के 11वें ही बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के कॉलिन काउड्रे 1968 में अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग 100वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सिडनी में 120 और 143 रन की पारियां खेली थीं।

बॉलीवुड

फिर विवादों में घिरे तेलुगु एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण

फिल्म प्रमोशन के दौरान फैन पर भड़के उंगली दिखाकर बोले- उसे मेरे पास मत आने दो

तेलुगु एक्टर-पॉलिटिशियन नंदमुरी बालकृष्ण किसी न किसी वजह से अक्सर विवादों में रहते हैं। इस बार वो अपने एक फैन पर भड़कने की वजह से सुर्खियों में हैं। दरअसल, एक्टर हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'अखंडा 2' के प्रमोशन के लिए विशाखापत्तनम पहुंचे थे। वहां एक्टर के फैंस उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट के बाहर जमा थे। तभी एक फैन पर एक्टर अपना आपा खो देते हैं। अब ये वीडियो ऑनलाइन वायरल हो गया है। वीडियो में पहले बालकृष्ण हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन करते दिख रहे हैं। एक्टर के फैंस जय बाल्या का नारा लगाते हैं। फैंस के प्यार को देखकर वो उन्हें धन्यवाद देते हैं और अपने एक फैन से फूल लेते समय मुस्कुराते भी हैं। हालांकि, वो अचानक एक फैन पर चिल्लाते हुए कहते हैं- एक तरफ हटो। तुम यहां क्यों हो? तुम्हें यहां आने के लिए किसने कहा? फिर वो वहां साथ में मौजूद पुलिस की ओर कुछ इशारा करते हैं। फिर थोड़ी देर बाद वो नॉर्मल हो जाते हैं और कुछ फैंस को अपने साथ सेल्फी लेने की परमिशन देते हैं। लेकिन वो अचानक अपने सुरक्षाकर्मी को फिर से उसी फैन की ओर इशारा करते हुए कहते हैं- उसे शाम को भी मेरे पास मत आने देना। क्या तुमने मेरी बात सुनी? हालांकि, फैन से उनकी इतनी नाराजगी की वजह सामने नहीं आ पाई है।

विवादों में घिरी मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता

इटली की प्रिंसेंज समेत 3 जजों का इस्तीफा

ब्यूटी कॉन्टेस्ट मिस यूनिवर्स 2025 से जुड़े विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। ग्रैंड फिनाले से एक दिन पहले मिस यूनिवर्स सिलेक्शन कमेटी की प्रेसिडेंट और इटालियन प्रिंसेज कैमिला डि बोरबोन ने ज्यूरी पैनल छोड़ दिया है। वह पैनल छोड़ने वाली तीसरी जज हैं। इससे पहले मशहूर म्यूजिशियन ओमार हारफूश और फ्रांस के पूर्व फुटबॉलर क्लाउड माकेलेले ने भी ज्यूरी छोड़ दी थी। मिस यूनिवर्स में जजिंग पैनल 8 सदस्यों का होता है। 3 जजों के पैनल छोड़ने के बाद ऑर्गेनाइजेशन ने नताली ग्लेबोवा (कनाडा की पूर्व मिस यूनिवर्स 2005) को शामिल किया है।

अब पैनल में 6 सदस्य है। ग्रैंड फिनाले कल यानी 21 नवंबर को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में होगा। ओमार ने आरोप लगाया कि जज कमेटी बनने से पहले ही ऑर्गेनाइजर्स ने टॉप-30 कंटेस्टेंट का सिलेक्शन अनऑफिशियल तरीके से कर लिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कंटेस्टेंट को चुना गया जिनके ऑर्गेनाइजर्स से पर्सनल रिलेशनशिप हैं। इसके बाद माकेलेले ने निजी कारणों से इस्तीफा दे दिया।

120 बहादुर पैन इंडिया रिलीज होगी

दिल्ली हाईकोर्ट ने दी अनुमति; फिल्म की रिलीज पर रोक के लिए दायर की गई थी याचिका

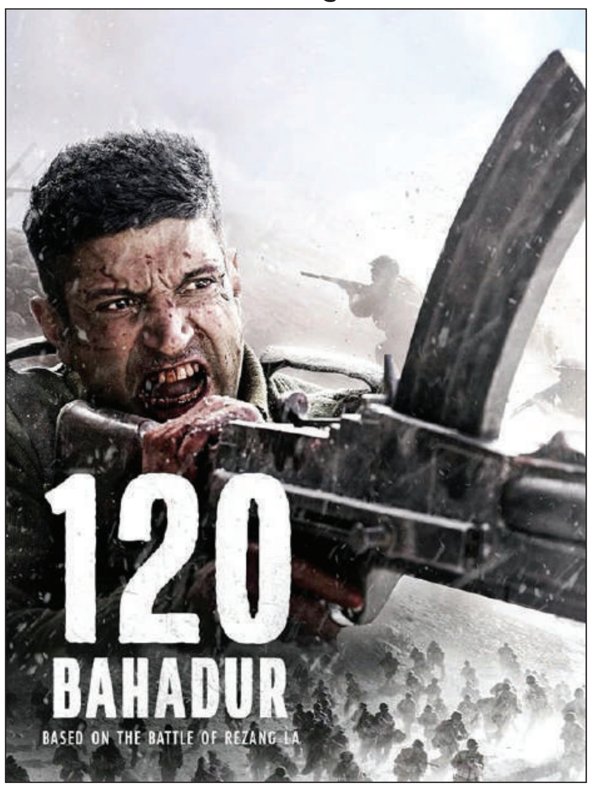

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को 1962 में रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित फरहान अख्तर स्टारर फिल्म 120 बहादुर को पैन इंडिया थिएटर में रिलीज करने की अनुमति दे दी है।

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस शैल जैन की डिवीजन बेंच ने फिल्ममेकर की इस बात पर गौर किया कि युद्ध में लड़ने वाले सभी 120 सैनिकों के नाम फिल्म में क्रेडिट के तौर पर शामिल किए गए हैं।

कोर्ट ने यह आदेश एक चैरिटबल ट्रस्ट- संयुक्त अहीर रेजिमेंट मोर्चा, उसके ट्रस्टी और शहीदों के परिजनों द्वारा दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिया।

याचिका में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ के आरोपों के आधार पर फिल्म को दिए गए सीबीएफसी सर्टिफिकेट को चुनौती दी गई थी। याचिका में फिल्म के नाम को भ्रामक बता 120 बहादुर से बदलकर 120 वीर अहीर करने की मांग की गई थी।

साथ ही तथ्यात्मक सुधार, फिल्म में 120 सैनिकों के नाम शामिल करने के साथ एक सही डिस्क्लेमर भी जोड़ने की भी मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि हालांकि वह इस समय फिल्म का नाम बदलने की मांग नहीं कर रहे हैं, लेकिन फिल्म में सभी 120 सैनिकों के नाम जोड़े जाने चाहिए।

जवाब में प्रोड्यूसर के वकील ने कोर्ट को बताया कि सभी 120 वीर जवानों के नामों को इलेस्ट्रेशन के जरिए फिल्म के अंत में श्रद्धांजलि के रूप में पहले ही शामिल किया गया है।

इस प्रकार, कोर्ट ने 21 नवंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म के नाम को बदलने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने संगठन को निर्देश दिया कि वो फिल्म देखें और सुनिश्चित करें कि सभी 120 सैनिकों के नाम फिल्म में मौजूद हैं। अगर किसी प्रकार के सुधार या एडिटिंग की जरूरत हो, तो प्रोड्यूसर को यह बदलाव ओटीटी रिलीज़ के लिए करना होगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ओटीटी संस्करण में भी केवल सैनिकों के नाम और उनकी संबंधित रेजिमेंट का सही उल्लेख किया जाएगा।

252 करोड़ के ड्रग केस में ओरी को समन

एंटी नारकोटिक्स सेल में पेश होने के आदेश

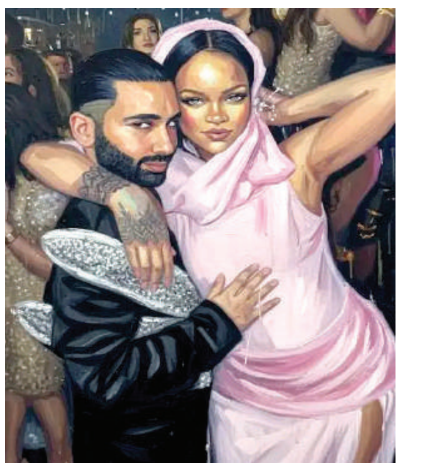

पॉपुलर इन्फ्लूएंसर ओरहान अवत्रमणि उर्फ ओरी को बुधवार को एंटी नारकोटिक्स सेल ने समन किया है। उन्हें 252 करोड़ रुपए के ड्रग केस में जांच के दायरे में लिया गया है। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, ओरी को आज,हृष्ट (एंटी नारकोटिक्स सेल) के घाटकोपर में स्थित कार्यालय में करीब 10 बजे पेश होने के आदेश दिए गए हैं। यहां उनसे ड्रग केस में पूछताछ होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल ने अगस्त में दाऊद इब्राहिम के साथ काम करने वाले ड्रग तस्कर सलीम डोला के बेटे ताहेर डोला को दुबई से प्रत्यर्पित किया था।

पूछताछ के दौरान ताहेर डोला ने बयान में कहा कि उसके द्वारा भारत और विदेशों में आयोजित होने वाली ड्रग्स पार्टियों में बॉलीवुड एक्टर्स, मॉडल्स, रैपर्स, फिल्ममेकर और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के रिश्तेदार भी शामिल होते थे।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, ताहेर डोला ने दावा किया है कि इन पार्टीज में ड्रग (मेफेड्रोन) सप्लाई की जाती है। इन पार्टी में शामिल होने वाले लोगों में श्रद्धा कपूर, भाई सिद्धार्थ कपूर, अलीशा पारकर (हसीना पारकर का बेटा), नोरा फतेही, ओरी उर्फ ओरहान अवत्रमणि, पॉपुलर फिल्ममेकर जोड़ी अब्बास-मस्तान, रैपर लोका और बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी भी शामिल हैं।

बता दें कि श्रद्धा कपूर ने साल 2017 में रिलीज हुई दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर में हसीना का रोल प्ले किया था। जबकि उनके भाई सिद्धार्थ कपूर दाऊद इब्राहिम के रोल में थे।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर के लिए कृति सेनन की बर्थडे पोस्ट

कहा- दुआ है दुनिया तुम्हारा अच्छा दिल कभी न बदले, ट्रिप की तस्वीर शेयर की

कृति सेनन का नाम लंबे समय से बिजनेसमैन कबीर बहिया से जुड़ रहा है। दोनों के रिलेशनशिप की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, हालांकि उन्होंने कभी इसे सार्वजनिक नहीं किया है। अब कृति ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर के बर्थडे के खास मौके पर उनके लिए स्पेशल पोस्ट शेयर की है। कृति ने कबीर के साथ वेकेशन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, जन्मदिन मुबारक उस इंसान को जिसके साथ मैं पूरी बेवकूफी कर सकती हूं। दुआ है कि यह दुनिया कभी भी तुम्हारे अच्छे दिल को न बदल सके। बता दें कि कृति सेनन ने कभी कबीर बहिया से रिलेशनशिप को कन्फर्म नहीं किया है, हालांकि दोनों समय-समय पर साथ नजर आते रहते हैं। इस साल दोनों की शादी की खबरें भी सुर्खियों में रही थीं। दोनों ने पिछले साल न्यू ईयर दुबई में साथ मनाया था। दोनों एयरपोर्ट पर साथ नजर आए थे, हालांकि एक्ट्रेस ने अपना चेहरा पूरी तरह छिपाया हुआ था। कृति सेनन ने दुबई वेकेशन की तस्वीरें शेयर नहीं की थीं। हालांकि कबीर बहिया ने अपनी कुछ सिंगल फोटोज शेयर जरूर कीं। कुछ दिनों बाद कृति के साथ उनकी एक तस्वीर सामने आई, जिसकी लोकेशन दुबई की ही थी। कृति की बहन नूपुर सेनन ने भी कुछ महीनों पहले राहत फतेह अली खान के कॉन्सर्ट की कुछ तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट की थीं, जिनमें कृति सेनन और कबीर साथ नजर आए थे।

कौन हैं कृति सेनन के बॉयफ्रेंड कबीर बहिया

कबीर बहिया च बेस्ड लीडिंग ट्रैवल एजेंसी के मालिक कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं। कबीर ने लंदन की रेजेंट्स यूनिवर्सिटी से बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन किया है। जिसके बाद अब वो वर्ल्डवाइड एविएशन एंड टूरिज्म के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। कबीर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और फिल्म स्टार्स के साथ तस्वीरें पोस्ट करते रहते हैं। उनकी पोस्ट में कई बार महेंद्र सिंह धोनी उनके साथ नजर आए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन की फिल्म तेरे इश्क में, 28 नवंबर को रिलीज होने वाली है। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष लीड रोल में हैं।

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने बागी फ्रेंजाइजी, हीरोपंती और वॉर के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

राशा थडानी की लगी लॉटरी

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया था और अब उन्हें तेलुगू फिल्म मिल गई है। महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के ऑपोसिट उन्हें साइन किया गया है। राशा ने अपना पोस्टर भी शेयर कर दिया है जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर है।

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और उई अम्मा गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं। हाल ही में, वह मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म लइकी लइका की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया

हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल प्रक्र4 रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने ऋ 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

अदिति पोहनकर ने बॉबी देओल के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है। अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। आश्रम में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि आश्रम से आगे बढ़ने और जिद्दी इश्क जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो वी द वीमेन के एक डिस्कशन में शामिल हुईं। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं। नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।' वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।' करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और क्रू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं। जल्द ही वो नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विथ द कपूर्स में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी। एक्ट्रेस साल 2026 में मेघना गुलजार की क्राइम ड्रामा फिल्म दायरा में दिखेंगी।

मनोज बाजपेयी पर बोले जयदीप अहलावत

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन अब रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज 21 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक दे रही है। उससे पहले सीरीज की स्टारकास्ट ने पीटीआई से बात की, जहां एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। इस सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत भी नजर आने वाले हैं तो उन्हें कैसा लगा इस फ्रेंचाइज से जुड़कर, चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

मनोज के साथ काम करने पर बोले जयदीप

इंटरव्यू में बात मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, मनोज भाई के काम को देखकर बहुत सारे एक्टर्स प्रेरणा ले चुके हैं। उन्होंने बहुत सारा ऐसा काम किया है जहां हर एक परफॉर्मेंस उनकी मास्टरक्लास है। इनको मैंने बताया भी था कि इनका एक डायलॉग है, बहुत लंबा सीन है वो। ये पूरी विधानसभा को संबोधित करते हैं। ये आसान नहीं है क्योंकि बहुत एनर्जी लगती है, लेकिन इन्होंने बहुत आसानी से उसे कर दिया।

मनोज बाजपेयी ने जयदीप पर क्या कहा?

जयदीप के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, बहुत सारे लोग हम उसी रास्ते में एक दूसरे से सीखते रहते हैं। हमारे बीच गुरु शिष्य वाली कोई बात नहीं है।

द फैमिली मैन सीजन 3 श्रीकांत तिवारी के लिए एक नए और पहले से कहीं बड़े खतरे को लेकर आने वाला है। इस बार मुश्किलें सिर्फ देश पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार तक भी पहुंचने वाली हैं। श्रीकांत को उच्च-स्तरीय मिशनों के बीच अपने घरवालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। आने वाले सीजन में दो नए और बेहद शक्तिशाली विलेन एंट्री करने वाले हैं- जयदीप अहलावत (रुक्मा) और निमरत कौर। दोनों किरदार श्रीकांत की राह और कठिन बनाते दिखाई देंगे। उनकी वजह से कहानी और गहरी, भावनात्मक और रोमांचक मोड़ लेने वाली है। फैमिली मैन सीजन 3 का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी किए गए द फैमिली मैन सीजन 3 के ट्रेलर में भरपूर एक्शन, सस्पेंस और मज़ेदार संवादों की झलक देखने को मिली। श्रीकांत तिवारी एक बार फिर अपने पुराने अंदाज़ में लौट आए हैं और दर्शकों को धमाकेदार मनोरंजन देने का वादा कर रहे हैं।

मस्ती 4 मेरे लिए टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है

एक्ट्रेस रुही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता-पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं।

मस्ती 4 आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?

जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।

आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?

यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।

आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?

मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी। मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।

तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया?

मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया। मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग-अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।

मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी?

मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।

फिल्म कैलेंडर गर्ल्स रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?

मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे- 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा।

आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं?

क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है, किसी के हाथ में नहीं होता।

मेरी मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं

मेरे पेरेंट्स का बहुत बड़ा साथ है, खासकर मेरी मम्मी, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं। मुझमें एक जिद है कि मैं अपनी मंजिल जरूर पाऊंगी।

स्कूल में लोग कहते हैं कि टॉप पर पहुंचना आसान नहीं होता है, लेकिन मैं मानती हूं कि एक दिन मेरा भी सबसे अच्छा वक्त आएगा।

संक्षिप्त समाचार

पाक, चीन में पढ़ने वाले डॉक्टरों का डेटा मांग रहीं एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लालकिले के पास हुए आत्मघाती बम धमाके में 12 लोग मारे गए थे। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पुलवामा-फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के ज्यादातर सदस्य डॉक्टर हैं। इनमें से कई ने विदेश से एमबीबीएस और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। अब जांच एजेंसियां विदेशों से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले डॉक्टरों की जानकारी जुटा रही है। सीबीआई दिल्ली पुलिस

और एनआइए ने दिल्ली-एनसीआर के सभी बड़े-छोटे अस्पतालों और क्लीनिकों को पत्र भेजा है। पत्र में पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और यूएई से मेडिकल डिग्री हासिल करने वाले डॉक्टरों की पूरी जानकारी मांगी गई है। इसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर, जॉइनिंग डेट, डिग्री की कॉपी और मौजूदा पोस्टिंग का ब्योरा शामिल है। एक वरिष्ठ दिल्ली पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हम संदिग्धों के पुराने सहपाठियों, दोस्तों और संपर्कों की पहचान करना चाहते हैं। मॉड्यूल के कथित सरगना डॉ. उमर उन नबी श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज से पढ़े हैं, लेकिन बाकी सदस्यों के विदेशी कनेक्शन संदेह पैदा कर रहे हैं। इसलिए इन चार देशों से पढ़े सभी डॉक्टरों की जांच होगी। उनकी ट्रैवल हिस्ट्री, बैंक खाते और क्रिमिनल रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे। कई बड़े अस्पतालों ने एजेंसियों को जवाब दिया है कि पूरी लिस्ट तो दिल्ली मेडिकल काउंसिल के पास होती है, हमसे क्यों मांग रहे हो? डीएमसी के सदस्यों का कहना है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से दिल्ली के बहुत कम छात्र पढ़ने जाते हैं, लेकिन चीन और यूएई से हजारों की संख्या में आते हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा, हमें आज नोटिस मिला है। हम जल्द ही ऐसे सभी डॉक्टरों की रिपोर्ट तैयार करके एजेंसियों को सौंप देंगे। अधिकारियों ने साफ किया है कि यह जांच सिर्फ सुरक्षा के लिहाज से है। हर विदेशी डिग्री वाले डॉक्टर को आतंकवादी नहीं माना जा रहा, लेकिन मौजूदा सबूतों ने सतर्कता बढ़ा दी है।

ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को सीएफपीबी का नेतृत्व करने के लिए नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो (सीएफपीबी) के अगले निदेशक के रूप में नामित किया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना है, जिनके पास बैंकिंग या वित्तीय सेवाओं का कोई अनुभव नहीं है। यह ब्यूरो ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निष्क्रिय पड़ा है। लेवेनबैक वर्तमान में प्रबंधन एवं बजट कार्यालय में एक सहयोगी निदेशक हैं और प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विज्ञान और जल संबंधी मुद्दों को संभालते हैं। लेवेनबैक के बायोडाटा में विज्ञान और प्राकृतिक संसाधन संबंधी मुद्दों से निपटने का अच्छा अनुभव दिखाई देता है, जहां उन्होंने ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया था।

कोसोवो में सांसदों द्वारा सरकार चुनने में नाकामी के बाद जल्द चुनाव

प्रिस्तीना, एजेंसी। कोसोवो के सांसद बुधवार को नई सरकार चुनने में नाकाम रहे, जिससे इस छोटे से बाल्कन राष्ट्र में महीनों से चल रहे राजनीतिक संकट के बाद जल्द चुनाव का रास्ता साफ हो गया। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत ग्लौक कोनजुफ्का, सत्तारूढ़ सेल्फ-डिटरमिनेशन मूवमेंट पार्टी के, 120 सदस्यीय विधानसभा में 56 वोट हासिल कर पाए, जो चुनाव के लिए आवश्यक बहुमत से बस थोड़ा कम है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती की सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह मतदान एक बड़ा झटका है।

देश के टॉप प्रदूषित शहरों में हैं एनसीआर के कई इलाके

दिल्ली का शाम 4 बजे का एक्यूआई 392 था

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के साथ एनसीआर के शहर भी इस जानलेवा पलूशन से परेशान हैं। डॉक्टर 6 महीने के लिए दिल्ली छोड़ने को कह चुके हैं और एम्स हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात की बात की है। इस बीच भारत के टॉप पलूशन वाले शहरों की लिस्ट में दिल्ली नहीं है। जी हां आप चौंक सकते हैं पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस लिस्ट में टॉप पर है, इसके बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा का नंबर आता है। दिल्ली का शाम 4 बजे का एक्यूआई 392 था, जो बहुत खराब श्रेणी में रहा और गंभीर स्तर से सिर्फ नौ अंक कम था।

टॉप प्रदूषित शहरों की लिस्ट में दिल्ली के अलावा गुरुग्राम और फरीदाबाद भी उस लिस्ट में नीचे हैं। गुरुग्राम और फरीदाबाद खराब श्रेणी में थे, जिनका एक्यूआई क्रमशः 300 और 265 दर्ज किया गया। बुधवार को भारत के 10 सबसे प्रदूषित शहर -एनसीआर के ही थे, जो इस बात को रेखांकित करता है शीर्ष तीन शहरों के बाद, हापुड़, रोहतक, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और भिवाड़ी का नंबर था। 11 नवंबर से लगातार नौ दिनों तक सीपीसबी के दैनिक बुलेटिन में पीएम2.5 ही एकमात्र प्रमुख प्रदूषक रहा है। विशेषज्ञों ने इसके लिए वाहनों से निकलने वाले धुएं (उत्सर्जन), औद्योगिक दहन (जलाने) और अवैध कचरा जलाने के मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया है। सीपीसबी के समीर ऐप के डेटा से पता चला कि नवंबर

में 19 दिनों तक पीएम2.5 प्राथमिक प्रदूषक बना रहा। पीएम10 सात दिन और सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) दो दिन तक हावी रहा।तुलना में, अक्टूबर में पीएम2.5 22 दिन, पीएम10 24 दिन, सीओ चार दिन और सल्फर डाइऑक्साइड एक दिन तक हावी रहा था। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सर्दियों में मेट्रो शहरों में कणों के कुल भार में पीएम2.5 की हिस्सेदारी 40 से 60 प्रतिशत तक होती है और यह पीएम10 से कहीं अधिक जहरीला होता है। उन्होंने कहा, दिल्ली के करीब होने के कारण, गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता का स्तर, विशेष रूप से पीएम.5 की सघनता काफी अधिक बनी रहती है, खासकर शाम और रात के समय जब ज्यादातर अवैध तरीके से कचरा जलाया जाता है। मानेसर नगर निगम ने औद्योगिक कचरा जलाने के कई हॉटस्पॉट की पहचान की है। एमसीएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें कई सेक्टरों, जैसे 79, 82, 83, 6 और आइएमटी के पास, में अनधिकृत औद्योगिक कचरा जलाने की शिकायतें मिली हैं।

गेट पर पेड़ों का पहरा

63 करोड़ से बनी पार्किंग बनी शो-पीस, दो महीने से ताला लगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश-1 के एम-ब्लॉक मार्केट में बनी ऑटोमेटेड मल्टी-लेवल पार्किंग पिछले दो महीनों से बंद पड़ी है। 27 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे धूमधाम से उद्घाटन किया था, लेकिन आज तक एक भी गाड़ी अंदर नहीं जा सकी।

मौके पर जाकर देखा कि पार्किंग के मुख्य गेट और एग्जिट दोनों तरफ बड़े पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों की वजह से गाड़ियां अंदर-बाहर नहीं हो सकतीं। पूरी बिल्डिंग खाली और सुनसान पड़ी है।

400 गाड़ियों की क्षमता, सड़क पर डबल पार्किंग: यह पार्किंग एक साथ 400 गाड़ियां खड़ी कर सकती है। इलाके के व्यापारियों को उम्मीद थी कि पार्किंग समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। अब अतिरिक्त गाड़ियां मुख्य सड़क पर खड़ी हो रही हैं, जिससे जाम लग रहा है और दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

एम-ब्लॉक मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शारदा ने बताया, वन विभाग ने पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी है। वजह यह है कि एमसीडी ने कंपनसेटरी प्लांटेशन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट अभी तक जमा नहीं किया। वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, डिपॉजिट की प्रक्रिया चल रही है। एमसीडी ने वादा किया है कि कुछ दिनों में राशि जमा कर दी जाएगी। इसके बाद तुरंत अनुमति दे दी जाएगी। फायर डिपार्टमेंट का एनओसी भी बाकी राजेंद्र शारदा ने बताया कि पेड़ हटाने के बाद भी फायर डिपार्टमेंट से एनओसी लेना होगा। इसमें भी कई हफ्ते लग सकते हैं। उनका कहना है कि विभागों के बीच तालमेल की कमी की वजह से पूरी तरह तैयार पार्किंग बेकार पड़ी है। सड़क पर लगने वाले जाम की वजह से ग्राहक गाड़ी घुमाकर चले जाते हैं। सामने ठेला लगाने वाले विक्रेता ने कहा, जब लेन ब्लॉक होती है तो हमारा भी धंधा ठप हो जाता है।

दिल्ली में चाणक्यपुरी के प्राइवेट स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके के एक प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल को ईमेल आया, जिसमें बिल्डिंग में बम होने की बात लिखी थी। आनन-फानन में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जांच के बाद धमकी भरे ईमेल को झूठा पाया गया है। इससे पहले भी दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल आए थे, जिनमें बम से उड़ाने की धमकियां दी गई थीं। लाल किला हादसे के बाद से सुरक्षा टीमें अलर्ट मोड पर हैं। बम निरोधक दस्तों ने स्कूलों का चप्पा-चप्पा छाना था। दोनों ही केस में ये अफवाह साबित हुई थी।

दिल्ली-6 का लौटेगा पुराना स्वरूप सीएम रेखा गुप्ता ने किया ऐलान

दिल्ली-यूपी समेत 7 राज्यों में ठंड बढ़ी, पारा भी गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली-6 क्षेत्र के विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि दिल्ली-6 का पुराना स्वरूप लौटेगा । बुधवार को हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि शहाजहांनाबाद पुनर्विकास निगम का पुनर्गठन किया जाए, ताकि पुरानी दिल्ली में लोगों को बेहतर और समुचित सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, सीएम ने बाजारों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट बनवाने के निर्देश भी दिए। सचिवालय में बुलाई गई इस बैठक में सीएम रेखा गुप्ता के साथ चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, मंत्री आशीष सूद, एसआरडीसी, पीडब्ल्यूडी, निगम और दिल्ली पुलिस के अधिकारी मौजूद थे। सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार पुरानी दिल्ली (वॉल्ड सिटी) के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम का पुनर्गठन किया जाएगा। बैठक में यह भी कहा गया कि पिछली सरकार की लापरवाही से क्षेत्र की स्थिति खराब हुई है और ऐतिहासिक चांदनी चौक में समस्याएं

लगातार बढ़ी हैं। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि एसआरडीसी निष्क्रिय हो चुका है। इसमें सरकारी अधिकारियों के साथ विरासत और इतिहास से जुड़े विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाना चाहिए तथा इसका नाम भी बदला जाना चाहिए। सूद ने कहा कि राजधानी की ऐतिहासिक इमारतों में व्यावसायिक गतिविधियों को पूरी तरह बंद किया जाना चाहिए। पुराने स्वरूप को बनाए रखने के लिए निर्माण पर रोक लगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन सरकारी एजेंसियों के काम करने से विकास कार्यों में देरी होती है। दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि शहाजहांनाबाद प्रोजेक्ट को पुनर्गठन कर इसके माध्यम से ही विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगी। आम आदमी पार्टी का कहना है कि चांदनी चौक पुनर्विकास केजरीवाल सरकार की एक प्रमुख पहल थी।

ट्रंप-मस्क के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली, दोस्ती में गर्माहट के बाद एलन मस्क ने लिखा थैंक्यू नोट

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क के बीच कुछ महीने पहले तीखी नोंक-झोंक हुई थी, लेकिन अब दोनों फिर से अच्छे दोस्त बनते दिख रहे हैं। व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ डिनर के दौरान ट्रंप ने एलन मस्क को तीन-तीन बार पब्लिकली पुकारा और मजाकिया अंदाज में कहा, 'एलन, तुम बहुत लकी हो कि मैं तुम्हारे साथ हूं! ' फिर हंसते हुए पूछा, 'क्या इसने कभी मुझे ठीक से थैंक यू कहा है? ' इसके जवाब में एलन मस्क ने तुरंत ङ्ग (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर ट्रंप को शुक्रिया कहा। मस्क ने लिखा, 'मैं राष्ट्रपति ट्रंप को अमेरिका और दुनिया के लिए किए उनके सारे कामों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।' साथ ही उन्होंने व्हाइट हाउस की तस्वीरें भी शेयर कीं, जिसमें वो ट्रंप, सऊदी क्राउन प्रिंस और एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग के साथ खड़े नजर आ रहे थे। ये डिनर अमेरिका-सऊदी निवेश फोरम के दौरान हुआ था।

आज ममदानी से मिलेंगे ट्रंप, जुबानी वार-पटलवार के बीच पहली बार होगा आमना-सामना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी उनसे शुक्रवार, 21 नवंबर को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कम्युनिस्ट मेयर ऑफ न्यूयॉर्क सिटी, जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हम शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मिलने पर सहमत हुए हैं। आगे और जानकारी दी जाएगी।' ट्रंप और ममदानी के बीच चुनाव अभियान के दौरान से ही तीखा राजनीतिक टकराव चलता रहा है। ट्रंप ने चुनाव से ठीक पहले कहा था कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए 'पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही' साबित होगी। वहीं, जीत के बाद अपने जोशीले भाषण में ममदानी ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि न्यूयॉर्क 'प्रवासी लोगों से चलता है, और अब एक प्रवासी इसे नेतृत्व देगा। उन्होंने ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर किसी को ट्रंप को हराना आता है, तो वह वही शहर है जिसने उन्हें जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को डराना है, तो उसकी सत्ता की बुनियाद को बदल दो। ट्रंप, अगर आप देख रहे हैं, तो वॉल्यूम बढ़ा लीजिए।' ट्रंप ने ममदानी के भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि इस रवैये से वे सफल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहल ममदानी को करनी चाहिए थी, 'मैं तो यहां हूं। देखेंगे क्या होता है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ही पहले संपर्क करना चाहिए था।' इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि 'मैं चाहता हूं कि नया मेयर अच्छा करे, क्योंकि मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं।'

कम्युनिज्म नहीं चला है- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहते रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 'हजारों वर्षों में कम्युनिज्म कभी काम नहीं कर पाया है।

ट्रंप का 60वीं बार दावा: मेरी धमकी पर पीएम मोदी ने कहा- 'हम युद्ध नहीं करेंगे', भारत बोला- 'कब तक बोलोगे झूठ'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बड़ा और विवादित दावा किया है। ट्रंप का कहना है कि उन्होंने दोनों देशों को 350% टैक्स लगाने की धमकी देकर उन्हें युद्ध के कगार से पीछे हटने पर मजबूर किया था। ट्रंप के दावों का सिलसिला मई से लगातार जारी है, जबकि भारत ने हमेशा किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि मई में भारत और पाकिस्तान 'परमाणु हमले' की तैयारी में थे।उनके अनुसार- 'मैंने दोनों से कहा कि युद्ध कर सकते हो, लेकिन मैं 350 प्रतिशत शुल्क लगा दूँगा। फिर तुम अमेरिका में व्यापार नहीं कर पाओगे।' ट्रंप का कहना है कि धमकी के बाद दोनों देशों ने उनसे ऐसा न करने की अपील की।

ट्रंप ने कहा कि सबसे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें कॉल करके धन्यवाद दिया और कहा कि लाखों लोगों की

जान बच गई। इसके बाद, ट्रंप के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन कर कहा- 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने मोदी से कहा, 'ठीक है, चलिए एक समझौता करते हैं।' ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे ''युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत शुल्क लगा रहा हूं। वे अमेरिका के साथ अब व्यापार नहीं कर पाएंगे।'' 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप ने दावा किया कि वह ''पूरी तरह तैयार'' थे और उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से कहा था कि वह (संघर्ष को) समाप्त करने के लिए 350 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। और अगर दोनों देश युद्ध रोक देते हैं, तो ''हम एक अच्छा व्यापार समझौता करेंगे।'' भारत का आधिकारिक रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान बीच किसी तीसरे देश की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जाती।

मेरे अंग दान कर देना; टीचर्स की वजह से मेट्रो के सामने कूदने वाले बच्चे की आखिरी ख्वाहिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 16 साल के एक लड़के ने मेट्रो के आगे कूदकर जान दे दी है। पुलिस को उसके बैग से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने स्कूल के टीचर्स पर मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। एक और झकझोरने वाली बात यह है कि किशोर ने अपनी आखिरी ख्वाहिश में परिवार वालों से कहा है कि उसके अंगों को उन्हें दान कर दिया जाए जिन्हें इनकी जरूरत है। घटना बुधवार दोपहर 2.34 बजे की है, जब बच्चा ड्रामा क्लब जाने के लिए निकला था। वह राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन पहुंचा और मेट्रो के सामने कूद गया। उसे तुरंत बीएलके हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा सुसाइड नोट में उसने अपनी पहचान लिखी थी और इसे पढ़ने वाले को एक नंबर पर संपर्क करने को कहा था। उसने लिखा कि स्कूल स्टाफ की लगातार डांट-फटकार की वजह से वह ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुआ है।

सामने आएगा एपस्टीन फाइल में छिपा राज, ट्रंप ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने को दी मंजूरी

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी फाइलें जारी करने वाले बिल पर साइन कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार देर शाम को इस बात की जानकारी दी। कांग्रेस ने इस बिल को पहले पास किया था। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के गलत कामों की अपनी जांच से मिली सारी जानकारी 30 दिनों के अंदर सर्च और डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में रिलीज करनी होगी। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने इसका खुलकर विरोध किया था। जेफरी एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था जिसकी 2019 में फेडरल कस्टडी में मौत हो गई थी। इससे पहले यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने मंगलवार को बिल पास करने के लिए 427-1 से वोट किया और बाद में सीनेट ने इसे मंजूरी दे दी। देरी करने का आरोप लगाया। स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंट का इससे कोई लेना-देना नहीं है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।' स्पीकर ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने का समर्थन तो किया, लेकिन डेमोक्रेट्स की इसे अभी

आगे बढ़ाने के लिए आलोचना की। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने एपस्टीन के सभी डॉक्यूमेंट्स जारी करने का महीनों तक विरोध किया था, लेकिन पिछले रविवार को ट्रंप ने कहा कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनकी पार्टी के सदस्य फाइलों के खजाने को खोलने के लिए कानून के लिए वोट कर सकते हैं। ट्रंप कहा, 'यह डेमोक्रेट्स की प्रॉब्लम है। वे एपस्टीन के दोस्त थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर डेमोक्रेट्स को घेरते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'जेफरी एपस्टीन (जिन पर 2019 में ट्रंप जस्टिस डिपार्टमेंट ने आरोप लगाया था) पूरी जिंदगी डेमोक्रेट रहे। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं को हजारों डॉलर दान किए और कई जाने-माने डेमोक्रेट लोगों से गहराई से जुड़े थे, जैसे बिल क्लिंटन (जिन्होंने उनके प्लेन में 26 बार सफर किया), लैरी समर्स (जिन्होंने हाल ही में हार्वर्ड समेत कई बोर्ड से इस्तीफा दिया है), पॉलिटिकल एक्टिविस्ट रीड हॉफमैन, माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज (जिन्होंने एपस्टीन पर आरोप लगने के बाद उनसे अपने कैंपेन के लिए दान करने को कहा था), डेमोक्रेट कांग्रेस वुमन स्टेसी प्लास्केट और भी कई।' उन्होंने आगे कहा, 'शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके जुड़ाव की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए बिल पर साइन किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, मैंने हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून से इस बिल को हाउस और सीनेट में पास करने के लिए कहा था। मेरे कहने पर, डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पहले ही कांग्रेस को करीब पचास हजार पेज के डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए हैं। मत भूलिए, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने डेमोक्रेट एपस्टीन से जुड़ी एक भी फाइल या पेज नहीं सौंपा और न ही उन्होंने कभी उनके बारे में बात की।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने एपस्टीन मुद्दे का उपयोग किया है, जो उन्हें रिपब्लिकन पार्टी से कहीं अधिक प्रभावित करता है। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि हमारी शानदार जीत से ध्यान भटकाया जा सके, जिसमें द बिग ब्यूटीफुल बिल, मजबूत सीमाएं, महिलाओं के खेलों में कोई पुरुष नहीं या सभी के लिए ट्रांसजेंडर नहीं, डीईआई को समाप्त करना, बाइडेन की रिकॉर्ड सेटिंग मुद्रास्फीति को रोकना, कीमतें कम करना, इतिहास में सबसे बड़ी कर और विनियमन कटौती, आठ युद्धों को समाप्त करना, हमारी सेना का पुनर्निर्माण करना, ईरान की परमाणु क्षमता को खत्म करना, संयुक्त राज्य अमेरिका में खरबों डॉलर का निवेश करना और यहां तक कि हाल ही में शटडाउन पर डेमोक्रेट्स को बहुत बड़ी हार देना शामिल है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com